NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित
वर्ष: 15 अंक: 349 लखनऊ, मंगलवार 18 अगस्त 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

पीएम मोदी का नई बीजेपी टीम पर पूरा भरोसा, बोले- संगठन और जनसेवा पर दें ध्यान

एजेंसी।

दिल्ली। भाजपा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में बड़े संगठनात्मक बदलावों की घोषणा की, जिसमें नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति शामिल है। इस नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पीयूष गोयल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और स्मृति ईरानी व बिप्लब कुमार देब जैसे नेता राष्ट्रीय महासचिवों के रूप में शामिल किए गए हैं, जो पार्टी को नई गति प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (BJP) के नए नियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों को बधाई दी और भरोसा जताया कि नई टीम संगठन को मजबूत करेगी और जनसेवा पर ध्यान देगी। X पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि BJP के नए नियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों और पार्टी में अलग–अलग जिम्मेदारियाँ पाने वाले सभी लोगों को बधाई। यह नई टीम संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ाव का संगम है। मुझे भरोसा है कि वे हमारी पार्टी को मजबूत करने और जनसेवा पर ध्यान देने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे। उन्हें मेरी शुभकामनाएँ।भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम में नव–नियुक्त सभी पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ। अनुभव और ऊर्जा के मेल से बनी यह टीम, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संगठन को नई गति प्रदान करेगी। मुझे विश्वास है कि प्रत्येक सदस्य, एक समर्पित कार्यकर्ता की भावना के साथ, शविकसित भारतश के संकल्प और राष्ट्र–निर्माण की प्रतिबद्धता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए संगठन को और मजबूत करेगा।बीजेपी ने सोमवार को पार्टी प्रमुख नितिन नवीन के नेतृत्व में संगठन में बड़े बदलाव की घोषणा की। इसके तहत नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई और कई नेताओं को अहम जिम्मेदारियां सौंपी गईं। ये नियुक्तियां तुरंत प्रभाव से लागू होंगी। पार्टी ने 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किए हैं, जिनमें राम माधव, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, बैजयंत जय पांडा, लोकसभा सांसद डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, भारती पवार, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत और मनप्रीत सिंह बादल शामिल हैं। इस बीच, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को बीजेपी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी ने बी.एल. संतोष को राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) के पद पर बनाए रखा है और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी तथा त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को आठ राष्ट्रीय महासचिवों की अपनी टीम में शामिल किया है।

नई टीम में विनोद तावड़े और सुनील बंसल ही ऐसे दो राष्ट्रीय महासचिव हैं जिन्हें बरकरार रखा गया है। बीजेपी ने अलग–अलग राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्रीय सचिवों की 16–सदस्यीय टीम में कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, संदीप पाठक और मनोज टिग्गा समेत कई नए चेहरों को भी शामिल किया है।

यूपी में खरीफ फसलों के लिए खाद का पर्याप्त स्टाक, 5.02 लाख एमटी यूरिया और 4.04 लाख टीएमटी फास्फेटिक उर्वरक उपलब्ध

संवादाता।

लखनऊ। योगी सरकार ने खरीफ–2026 अभियान के दौरान किसानों को उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निगरानी और वितरण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग में खरीफ–2026 में उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा बैठक में किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने और कम अथवा शून्य स्टॉक वाली समितियों की विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए। समीक्षा के अनुसार 12 अगस्त तक प्रदेश में यूरिया की उपलब्धता 5.02 लाख मीट्रिक टन और फास्फेटिक उर्वरक की उपलब्धता 4.04 लाख एलएमटी दर्ज की गई। खरीफ 2026 में अब तक 10.83 लाख एलएमटी उर्वरक का क्रमिक वितरण किया जा चुका है। पिछले खरीफ सत्र की तुलना में यूरिया के क्रमिक वितरण में 2.73 लाख एलएमटी तथा फास्फेटिक उर्वरक में 1.70 लाख एलएमटी स्टाक में उपलब्ध है।बैठक में क्या दिए निर्देशबैठक में निर्देश दिए गए कि सभी समितियों एवं वितरण केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए। शून्य एवं अल्प स्टॉक वाली समितियों की विशेष समीक्षा करते हुए आवश्यकतानुसार तत्काल आपूर्ति किया जाए। प्रत्येक जनपद में एडीएम अथवा सीडीओ स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया जाए।बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को उर्वरक की उपलब्धता में किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए आवश्यकता पड़ने पर उन्हें नजदीकी समिति से संबद्ध करने की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।उन्होंने कहा कि उर्वरक की ओवररेटिंग अथवा अनधिकृत टैगिंग से संबंधित शिकायत किसी भी स्थिति में प्राप्त नहीं होनी चाहिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के किसानों को

खाद के लिए परेशानी न हो, इसके लिए उन्हें नजदीकी वैकल्पिक समितियों से जोड़ने की व्यवस्था भी करने को कहा गया है। जनपदों में उर्वरक के परिवहन के लिए पर्याप्त ट्रकों की उपलब्धता भी कराई गई है।किसानों की सुविधा के लिए नियंत्रण कक्ष भी सक्रिययोगी सरकार की किसान–केंद्रित व्यवस्था के तहत खाद की उपलब्धता पर जिला स्तर तक निगरानी बनाए रखने के साथ ही किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर विशेष जोर दिया जा रहा है। किसानों की सुविधा के लिए सहकारिता विभाग ने नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय रखा है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ स्थित प्राचीन बूढ़ा अमरनाथ मंदिर के लिए सोमवार सुबह श्रद्धालुओं का पहला जत्था भगवती नगर यात्री निवास से रवाना

संवाददाता।

जम्मू–कश्मीर के पुंछ स्थित प्राचीन बूढ़ा अमरनाथ मंदिर के लिए सोमवार सुबह श्रद्धालुओं का पहला जत्था भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पूजा–अर्चना के बाद सुबह करीब 6.30 बजे सुरक्षा घेरे के बीच तीर्थयात्रियों को हरी झंडी दिखाई। यह 12 दिवसीय यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर संपन्न होगी।

जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में स्थित प्राचीन बूढ़ा अमरनाथ मंदिर की वार्षिक यात्रा सोमवार को शुरू हुई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने धार्मिक उत्साह और कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच जम्मू से श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को रवाना किया। अधिकारियों ने बताया कि सिन्हा ने पूजा–अर्चना करने के बाद सुबह करीब 6:30 बजे भगवती नगर यात्री निवास से श्रद्धालुओं के जत्थे को पुंछ के लिए रवाना किया।यह यात्रा करीब 230 किलोमीटर लंबी है। राजौरी के राजपुरा, मंडी तहसील स्थित बाबा बूढ़ा अमरनाथ मंदिर की 12 दिवसीय यात्रा 28 अगस्त तक चलेगी और रक्षाबंधन के दिन इसका समापन होगा। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, "आज पवित्र श्री बूढ़ा अमरनाथ जी यात्रा को रवाना करने का सौभाग्य मिला। यह दिव्य तीर्थयात्रा श्रद्धालुओं के लिए आत्मिक परिवर्तन का अनुभव प्रदान करने वाली है।" उन्होंने कहा, "मैं भगवान शिव से प्रार्थना करता हूं कि देश के कोने–कोने से आने वाले सभी श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम, सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से संतोषजनक हो। महादेव आपकी इस पवित्र यात्रा के हर कदम पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें। हर हर महादेव!" उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के जत्थे पुलिस सुरक्षा घेरे में यात्रा करेंगे। जम्मू–राजौरी–पुंछ मार्ग पर अतिरिक्त केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती की गई है। अधिकारियों ने बताया कि राजौरी और पुंछ जिलों में बहुस्तरीय सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। वहीं, विशेष अभियान समूह (एसओजी) के जवान दशनामी अखाड़ा जैसे ठहरने वाले स्थानों समेत कई इलाकों में तलाशी और सत्यापन अभियान चला रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत जम्मू–राजौरी–पुंछ राजमार्ग पर भी सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।

पीयूष गोयल को बीजेपी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त करने से मोदी कैबिनेट में संभावित फेरबदल की अटकलें तेज

एजेसी।

दिल्ली। पीयूष गोयल को बीजेपी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त करने से मोदी कैबिनेट में संभावित फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। बीजेपी के शएक व्यक्ति, एक पदश के सिद्धांत को देखते हुए, वाणिज्य और उद्योग मंत्री के रूप में गोयल की वापसी पार्टी संगठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है। यह नियुक्ति इस ओर संकेत करती है कि उन्हें जल्द ही केंद्रीय मंत्री पद से हटाया जा सकता है, जैसा कि पूर्व में भी कई नेताओं के साथ हुआ है।भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) की नई राष्ट्रीय संगठनात्मक टीम की घोषणा सोमवार को की गई। यह घोषणा नितिन नवीन के पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के कई महीनों बाद की गई। बीजेपी की नई संगठनात्मक लिस्ट में एक नाम ने खास दिलचस्पी पैदा की हैरू पीयूष गोयल, जो पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के तौर पर वापस आए हैं। गोयल ने वह पद संभाला है जिस पर 26 सितंबर, 2020 से राजेश अग्रवाल थे। दिलचस्प बात यह है कि मोदी के पहले कार्यकाल में केंद्रीय कैबिनेट में शामिल होने से पहले गोयल खुद बीजेपी के कोषाध्यक्ष थे।इसलिए, इस पद पर उनकी वापसी बीजेपी संगठन में एक तरह की घर वापसी है। इस

बीच उन्होंने कई अहम केंद्रीय मंत्रालय संभाले हैं और अभी वे वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं। लेकिन गोयल की नियुक्ति के अहम होने की एक और वजह हैरू बीजेपी का लंबे समय से चला आ रहा ष्एक व्यक्ति, एक पदष का सिद्धांत। जब अमित शाह बीजेपी अध्यक्ष होने के साथ–साथ केंद्रीय गृह मंत्री भी थे, तो उन्होंने संकेत दिया था कि वे नए पार्टी अध्यक्ष के लिए रास्ता बनाएंगे। बीजेपी ने कई अन्य मामलों में भी इसी सिद्धांत का पालन किया है।गोयल अभी च्ड नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में कॉमर्स और इंडस्ट्री मंत्रालय संभाल रहे हैं। पीयूष गोयल को संगठन में एक अहम पद मिलने से ऐसी अटकलें तेज हो गई हैं कि आने वाले दिनों में मोदी कैबिनेट में होने वाले संभावित फेरबदल में उन्हें हटाया जा सकता है। इसकी वजह ठश्रच का ष्एक व्यक्ति, एक पदष वाला अनकहा नियम है, जिसे च्ड मोदी और मौजूदा गृह मंत्री अमित शाह ने बनाया था। यह नियम आम तौर पर संगठन और सरकार की बड़ी जिम्मेदारियों को अलग–अलग रखने का समर्थन करता हैय इसमें नेताओं से उम्मीद की जाती है कि वे या तो पार्टी चलाने पर ध्यान दें या फिर सरकार में कोई अहम पद संभालें, खासकर राष्ट्रीय राजनीति में।2014 में, जब सर्बानंद सोनोवाल केंद्रीय मंत्री बने, तो उन्होंने असम बीजेपी अध्यक्ष का पद छोड़ दिया। हाल ही में, 2023 में, कैलाश विजयवर्गीय ने भी इसी सिद्धांत का हवाला देते हुए मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री बनने के बाद बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया। इससे एक जाहिर सवाल उठता हैरू क्या बीजेपी कोषाध्यक्ष के तौर पर गोयल की नियुक्ति से यह संकेत मिलता है कि वे आगे चलकर अपना मंत्री पद छोड़ सकते हैं? संगठनात्मक फेरबदल के बाद अब सबका ध्यान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंत्रिपरिषद और इस बात पर है कि क्या इसके बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल हो सकता है। मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के दो साल से ज्यादा का समय पूरा कर चुकी है। पिछले महीने, धर्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद प्रह्लाद जोशी को मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होने के बाद, रवनीत सिंह बिट्टू ने भी 24 जुलाई को रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

पहलगाम की बैसारन घाटी में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद अब एक मोटर-योग्य सड़क का निर्माण

एजेंसी।

जम्मू–कश्मीर । पहलगाम की बैसारन घाटी में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद अब एक मोटर–योग्य सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस 6.09 करोड़ रुपये की परियोजना का उद्देश्य 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से मशहूर इस पर्यटन स्थल तक पहुँच को बेहतर बनाना है, जिससे जम्मू–कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। NABARD द्वारा वित्तपोषित यह सड़क क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड में महत्वपूर्ण योगदान देगी। जम्मू–कश्मीर के सबसे लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन में से एक, पहलगाम की बैसारन घाटी में बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड होने जा रहा है। इस खूबसूरत घास के मैदान तक आसानी से पहुँचने के लिए अब

एक मोटर–योग्य सड़क बनाई जा रही है, इस जगह को अक्सर इलाके का 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहा जाता है। यह विकास कार्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 22 अप्रैल, 2025 को बैसारन में एक घातक आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। नई सड़क परियोजना की आधारशिला पहलगाम के विधायक अल्ताफ अहमद वानी ने रखी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 6.09 करोड़ रुपये है और इसे नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD) की फंडिंग से पूरा किया जा रहा है। बैसारन पहलगाम से लगभग चार किलोमीटर दूर है। प्रस्तावित सड़क इस टूरिस्ट डेस्टिनेशन को सर्किट रोड से जोड़ेगी, जिससे गाड़ियों के जरिए घाटी तक पहुँचना आसान हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट को पहलगाम के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (PWD) और रोड्स एंड बिल्डिंग्स डिपार्टमेंट द्वारा पूरा किया जाएगा। अधिकारियों का अनुमान है कि इसके निर्माण में लगभग दो से तीन साल लगेंगे। अभी, सैलानियों को इस लगभग चार किलोमीटर के ऊबड़–खाबड़ रास्ते को पैदल तय करना पड़ता है या घास के मैदान तक पहुँचने के लिए टट्टू (चवदल) किराए पर लेने पड़ते हैं। जब गाड़ियों के चलने लायक सड़क बन जाएगी, तो सैलानियों के पास बैसारन पहुँचने का एक और विकल्प होगा। उम्मीद है कि प्रस्तावित सड़क से बैसारन आने वाले पर्यटकों के लिए लंबे समय से चली आ रही पारंपरिक टट्टू (चवदल) सेवाएँ बंद नहीं होंगी।

हिमंत विश्व शर्मा ने राहुल गांधी और सोनिया पर राष्ट्र विरोधी काम का आरोप लगाया

संवाददाता।

गुवाहाटी में संवाददाता सम्मेलन के दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस नेतृत्व पर सत्ता में लौटने के लिए देश विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने का दावा किया। उन्होंने पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम को खांटी नक्सल करार देते हुए उनके कार्यकाल की जांच कराने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व से ही देश को नक्सलवाद से मुक्ति मिली है।असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे सत्ता में वापसी के लिए खुलेआम ''राष्ट्र–विरोधी'' गतिविधियां कर रहे हैं और देश में ''अराजकता फैलाने'' की कोशिश कर रहे हैं। शर्मा ने पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम द्वारा खुद को ''दिमागी नक्सल'' कहने को

लेकर उनपर भी निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के वरिष्ठ नेता ''खांटी नक्सल'' हैं और इस बात की जांच होनी चाहिए कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में रहने के दौरान उन्होंने माओवादियों के खिलाफ क्या जानबूझकर कोई कदम नहीं उठाया था। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''सोनिया गांधी और राहुल गांधी देश का विरोध करने के मिशन पर हैं। फिर चाहे जेन–जी के नाम पर विरोध–प्रदर्शन भड़काना ही क्यों न हो, उन्होंने देश का माहौल खराब करने की ठान ली है।'' स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पूरे वंदे मातरम् का गायन करने का विरोध करने वाले कांग्रेस नेताओं के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''सोनिया गांधी का व्यवहार दर्शाता है कि अगर कांग्रेस गलती से सत्ता में वापस आ जाती है, तो देश का क्या हाल होगा?'' भाजपा नेता ने कहा, ''वे खुलेआम देश–विरोधी गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं तथा लोगों को आंदोलन करने और धरने पर बैठने के लिए उकसा रहे हैं, और यह सब सिर्फ अराजकता फैलाने के लिए किया जा रहा है। 'मां–बेटा' द्वारा वंदे मातरम् को रोकने की कोशिश से यह साफ हो जाता है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो देश का भविष्य क्या होगा।'' स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण में ''दिमागी नक्सल'' शब्द का इस्तेमाल किये जाने के बाद, चिदंबरम द्वारा खुद को ऐसा कहे जाने पर शर्मा ने कहा कि उनके (चिदंबरम के) केंद्रीय गृह मंत्री रहने के दौरान छत्तीसगढ़ में एक हमले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी.सी. शुक्ला और अन्य लोग मारे गए थे, और ''फिर भी कांग्रेस ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए कुछ नहीं किया।

चिदंबरम के बाद केजरीवाल ने भी खुद को बताया दिमागी नक्सली जो लोग विकसित भारत चाहते हैं...

एजेंसी।

दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी के दिमागी नक्सली शब्द को नई परिभाषा देते हुए खुद को देशभक्त बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से सवाल करने वाले, बेहतर सुविधाएँ चाहने वाले और विकसित भारत की आकांक्षा रखने वाले लोग दिमागी नक्सली हैं और उन्हें इस पहचान पर गर्व है। यह टिप्पणी राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ रही है, खासकर जब पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम भी खुद को शदिमागी नक्सलीश कह चुके हैं। आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि जो व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी (BJP) और केंद्र सरकार से सवाल करेगा और पूरे भारत में बेहतर सुविधाओं की मांग करेगा, उसे 'दिमागी नक्सल' कहा जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 अगस्त के बयान पर तंज कसते हुए यह बात कही। माइक्रो–ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म X (पहले ट्विटर) पर एक छोटे से वीडियो में, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर भगत सिंह और भीमराव रामजी अंबेडकर आज जीवित होते, तो प्रधानमंत्री उन्हें भी शदिमागी नक्सलश कहते। उन्होंने खुद को भी शदिमागी नक्सलश बताया और कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है क्योंकि वह एक सच्चे देशभक्त हैं।केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के अनुसार, 'दिमागी नक्सल' वह व्यक्ति है जो सवाल उठाता है और शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाना चाहता है। उनके अनुसार, जो लोग अस्पताल और सड़कों जैसी अच्छी सुविधाएं चाहते हैं, वे 'दिमागी नक्सल' हैं। जो लोग उनसे और BJP से नहीं डरते और शविकसित भारतश चाहते हैं, वे शदिमागी नक्सलश हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हाँ। मैं दिमागी नक्सल हूँ। क्योंकि मैं देशभक्त हूँ। और मुझे इस पर गर्व है। शनिवार को लाल किले की प्राचीर से 80वें स्वतंत्रता दिवस पर बोलते हुए, पीएम मोदी ने शदिमागी नक्सलियोंश की पहचान करने और उन्हें अलग–थलग करने का आह्वान किया – एक ऐसा शब्द जिसके बारे में उन्होंने ज्यादा विस्तार से नहीं बताया। उनकी इस टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गयाय कांग्रेस ने उन पर और बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के अनुसार, केंद्र का विरोध करने वाला कोई भी व्यक्ति दिमागी नक्सली है। जब बीजेपी और कांग्रेस के बीच आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी था, तब पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि उन्हें 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है। उनकी इस टिप्पणी की आलोचना बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने की, जिन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान का जिक्र किया जिसमें उन्होंने नक्सलवाद को भारत के लिए आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती बताया था।

मूसलाधार बारिश में बच्चे को लेकर 'जनता दर्शन' पहुंचीं मां, सीएम योगी ने इलाज के लिए तत्काल आर्थिक सहायता के दिए निर्देश

लखनऊ, । मां अपने बच्चे की खुशियों और बेहतर स्वास्थ्य के लिए हर मुश्किल का सामना करने से पीछे नहीं हटती। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जनता दर्शन' में इसका भावुक उदाहरण देखने को मिला। मूसलाधार बारिश के बावजूद सीतापुर की रोली अपने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं और उसके इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। मुख्यमंत्री ने उनकी पीड़ा को गंभीरता से सुना और बच्चे के सिर पर हाथ रखकर उसके शीघ्र स्वस्थ होने का आशीर्वाद दिया। साथ ही इलाज में आर्थिक बाधा न आए, इसके लिए तत्काल अस्पताल से इलाज का एस्टीमेट मंगवाकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।मुख्यमंत्री से मिले भरोसे के बाद रोली की आंखों में उम्मीद और खुशी की चमक दिखाई दी। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार से मिले इस भरोसे से उनके बच्चे के इलाज की राह आसान होगी। मुख्यमंत्री ने भी उन्हें आश्वस्त किया कि गंभीर बीमारी के इलाज में धन की कमी किसी भी स्थिति में बाधक नहीं बनने दी जाएगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 'जनता दर्शन' में पहुंचे लोगों की समस्याओं को बेहद आत्मीयता के साथ सुनते हैं। सोमवार को भी उन्होंने एक–एक फरियादी के पास जाकर उनकी समस्याएं जानीं और अपनत्व के भाव से पूछा कि वे कहां से आए हैं और उन्हें क्या परेशानी है। उन्होंने सभी पीड़ितों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है और किसी को भी परेशान या घबराने की आवश्यकता नहीं है।'जनता दर्शन' में गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों और उनके परिजनों ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार जरूरतमंद लोगों के इलाज में लगातार आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि संबंधित अस्पतालों से इलाज का एस्टीमेट प्राप्त करने और उसकी औपचारिक प्रक्रिया को जल्द पूरा कर शासन को भेजने में किसी प्रकार की देरी न हो। पात्र लोगों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिस, राजस्व, चिकित्सा, भूमि विवाद, कब्जे और अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें भी सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रार्थना पत्र का निस्तारण समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और फरियादी की संतुष्टि के अनुरूप किया जाए। किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए और संबंधित अधिकारी मौके की स्थिति के अनुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।भूमि संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने राजस्व अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए, जबकि पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। चिकित्सा से संबंधित मामलों में भी उन्होंने संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने और जरूरतमंदों को शासन की सहायता योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं के निस्तारण में संवेदनशीलता और जवाबदेही दोनों दिखाई देनी चाहिए। सरकार का उद्देश्य है कि किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को अपनी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े। 'जनता दर्शन' में पहुंचे लोगों के प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक मामले का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और कार्रवाई की प्रभावी निगरानी भी की जाए।थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चे को लेकर मूसलाधार बारिश में सीतापुर से लखनऊ पहुंची रोली के मामले में मुख्यमंत्री की त्वरित संवेदनशीलता ने यह संदेश भी दिया कि जरूरतमंदों की मदद के लिए सरकार गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री के आश्वासन से रोली को अपने बच्चे के इलाज की नई उम्मीद मिली और वह संतोष के साथ वापस लौटीं।

भाजपा राज में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, किसान और जनता महंगाई से परेशान- अखिलेश यादव

लखनऊ, (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा राज में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह बदहाल हो गई हैं। किसान अपनी समस्याओं को लेकर परेशान हैं और उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। महंगाई और भ्रष्टाचार ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा सरकार का अंत होगा, तभी प्रदेश की समस्याओं और जनता की परेशानियों का समाधान संभव होगा।अखिलेश यादव सोमवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों और नौजवानों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान डॉ. दिग्विजय भाटी के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन (बीआर अंबेडकर) के बड़ी संख्या में किसानों ने उनसे मुलाकात की। डॉ. दिग्विजय भाटी ने बताया कि किसान अमरोहा से लगभग 400 किलोमीटर का सफर एक बड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली से तय कर लखनऊ पहुंचे हैं।इस अवसर पर मुकेश सिद्धार्थ, राष्ट्रीय संयोजक, आंबेडकर सेना मेरठ ने बहुचर्चित ललिता गौतम प्रकरण में न्याय की लड़ाई के दौरान अखिलेश यादव द्वारा उनकी पीड़ा को समझने और मदद करने के लिए आभार जताया। उन्होंने बताया कि इस संघर्ष के दौरान 16 आंदोलनकारियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं। वहीं गाजियाबाद के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्ण रूहेला ने अखिलेश यादव को 'गुमनाम क्रांतिकारी' पुस्तक भेंट की।अखिलेश यादव ने फिरोजाबाद के एक नौजवान का हालचाल लेते हुए प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि शिकोहाबाद के अंकित राठौर के संबंध में उन्हें जानकारी मिली कि लोहिया संस्थान में एक डॉक्टर द्वारा गलत इंजेक्शन लगाए जाने के बाद उसका हाथ काटना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस मामले में उन्होंने लोहिया अस्पताल के प्रशासन से भी बातचीत की है।इस घटना पर दुख और क्षोभ जताते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चौपट हो गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आए दिन ऐसी खबरें सामने आती हैं, जिनमें चिकित्सा व्यवस्था की गंभीर लापरवाही दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि मरीजों को गलत दवाएं दिए जाने से गंभीर नुकसान होने की शिकायतें मिलती हैं और इलाज के नाम पर मरीजों से लूट की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब स्वास्थ्य व्यवस्था में इस तरह की घटनाएं हो रही हों तो मरीजों की सुध लेने वाला कौन है।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय घायलों को समय से अस्पताल पहुंचाने और उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 108 एंबुलेंस सेवा शुरू की गई थी। नवजात शिशुओं और प्रसूताओं की सुविधा के लिए 102 एंबुलेंस सेवा तथा अपराध नियंत्रण के लिए तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यूपी डायल 100 सेवा शुरू की गई थी। इन जनहितकारी सेवाओं का उद्देश्य प्रदेश की जनता को तत्काल सहायता उपलब्ध कराना और लोगों के जीवन को सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाना था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने इन जनहित की सुविधाओं को बर्बाद कर दिया है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान सबसे ज्यादा परेशान हैं। किसानों की समस्याओं पर सरकार गंभीरता से ध्यान नहीं दे रही है। महंगाई और भ्रष्टाचार के कारण आम आदमी का जीवन कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि जनता अब भाजपा सरकार से मुक्ति चाहती है और आने वाले विधानसभा चुनाव में इसका जवाब देगी।किसान नेताओं ने एक स्वर में कहा कि देश और प्रदेश को बचाने के लिए अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना होगा और सामाजिक न्याय की व्यवस्था स्थापित करनी होगी। उन्होंने लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए समाजवादी पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहने का संकल्प जताया।अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2027 में अब कुछ ही समय बचा है। जनता में भाजपा सरकार के खिलाफ काफी आक्रोश और समाजवादी पार्टी के प्रति उत्साह दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज से छुटकारा पाने के लिए पीडीए के लोग बूथ स्तर तक समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए संकल्पित हैं।

यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट 2026 में 200 से अधिक जापानी उद्योगपति जुटेंगे, निवेश और रोजगार को मिलेगी नई गति

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास और विदेशी निवेश को गति देने के उद्देश्य से 18 से 23 अगस्त 2026 तक 'यूपी–जापान इन्वेस्टमेंट मीट 2026' का आयोजन उत्तर प्रदेश और दिल्ली में किया जाएगा। पांच दिवसीय इस महत्वपूर्ण निवेश सम्मेलन में जापान के 200 से अधिक प्रमुख उद्योगपति, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, व्यापारिक प्रतिनिधि और नीति–निर्माता हिस्सा लेंगे। सम्मेलन के माध्यम से जापान के साथ उत्तर प्रदेश के औद्योगिक, तकनीकी और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने तथा निवेश के नए अवसरों को जमीन पर उतारने पर जोर रहेगा।सम्मेलन में भाग लेने वाले उच्चस्तरीय जापानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यमानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी करेंगे। प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, अत्याधुनिक तकनीक के हस्तांतरण, संयुक्त परियोजनाओं तथा बड़े पैमाने पर स्थानीय रोजगार सृजन की संभावनाओं पर सरकार और उद्योग जगत के साथ चर्चा करेगा। इन्वेस्ट यूपी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, डिजिटल बुनियादी ढांचा, कौशल विकास, पर्यटन और इससे जुड़े क्षेत्रों में जापानी कंपनियों की कारोबारी रुचि को ठोस निवेश में बदलना है।जापानी प्रतिनिधिमंडल का 18 अगस्त को नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान जापानी कंपनियों को केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, भारतीय उद्योग जगत तथा शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद का अवसर मिलेगा। दिल्ली, लखनऊ, आगरा, ग्रेटर नोएडा और वाराणसी में आयोजित विभिन्न सत्रों में निवेश, तकनीकी सहयोग, कौशल विकास और औद्योगिक साझेदारी के नए अवसर तलाशे जाएंगे।पांच दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत 19 अगस्त को नई दिल्ली के ताज पैलेस में उच्चस्तरीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोलमेज बैठक और उद्घाटन सत्र से होगी। इसमें केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस दौरान जापानी निवेशकों के साथ उत्तर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं, नीतिगत सहयोग और औद्योगिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी।मुख्य राज्य स्तरीय निवेश सम्मेलन 21 अगस्त को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया जाएगा। इसमें सरकार से उद्योग और उद्योग से उद्योग के बीच सीधे संवाद तथा कारोबारी मेल–मिलाप के सत्र होंगे। इन सत्रों में निवेशकों और सरकार के बीच संभावित साझेदारियों, निवेश परियोजनाओं, तकनीकी सहयोग तथा कारोबार विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी।सम्मेलन में जेट्रो, एस्कॉर्ट्स कुबोटा, कुबोटा कॉर्पोरेशन जापान, तोशिबा इंडिया, मदरसन ग्रुप, सेतोलास एशिया, होंडा ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन इंडिया, डाइकिन एयरकंडीशनिंग इंडिया, सुमितोमो कॉर्पोरेशन इंडिया, स्पार्क मिंडा टोयो डेंसो और पैनासोनिक जैसी प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश में विस्तार, तकनीकी सहयोग और निवेश की संभावनाओं पर विचार–विमर्श करेंगे।कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एस्कॉर्ट्स कुबोटा और मिंडा कॉरपोरेशन की परियोजनाओं के लिए वर्चुअल ग्राउंड–ब्रेकिंग समारोह होगा। इसके जरिए यह संदेश देने का प्रयास किया जाएगा कि उत्तर प्रदेश में जापानी निवेश केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि कई परियोजनाएं अब धरातल पर आकार ले रही हैं।यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र उत्तर प्रदेश में जापानी विनिर्माण गतिविधियों के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। सेक्टर–10 में एस्कॉर्ट्स कुबोटा की 2,025 करोड़ रुपये की परियोजना के तहत ट्रैक्टर, निर्माण उपकरण और संबंधित उत्पादों का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना से घरेलू और निर्यात बाजारों की मांग पूरी करने के साथ 3,800 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।वहीं मिंडा कॉरपोरेशन सेक्टर–10 और सेक्टर–24, यीडा में दो परियोजनाएं विकसित कर रही है। दोनों परियोजनाओं में कुल 1,166 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और लगभग 6,440 रोजगार सृजित होने की संभावना है। इन परियोजनाओं में इग्निशन स्विच–कम–स्टियरिंग लॉक, मेकाट्रॉनिक कंपोनेंट्स, वायरिंग हार्नेस और संबंधित कनेक्शन सिस्टम का निर्माण किया जाएगा।एस्कॉर्ट्स कुबोटा और मिंडा कॉरपोरेशन की इन परियोजनाओं को मिलाकर करीब 3,191 करोड़ रुपये का निवेश और 10,000 से अधिक संभावित रोजगार उत्तर प्रदेश में जापानी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूत नींव तैयार करेंगे। इसके विस्तार के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने यीडा में 500 एकड़ भूमि पर समर्पित जापानी सिटी विकसित करने की योजना बनाई है। यह जापानी कंपनियों, उनके आपूर्तिकर्ताओं और सहायक उद्योगों के लिए एकीकृत औद्योगिक आधार के रूप में विकसित की जाएगी। इससे तकनीकी हस्तांतरण, आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण, सहायक उद्योगों और अतिरिक्त रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।सम्मेलन में हरित ऊर्जा के क्षेत्र में अक्षय ऊर्जा, स्वच्छ तकनीक और हरित हाइड्रोजन पर विशेष चर्चा होगी। विनिर्माण एवं वाहन उद्योग के तहत वाहन कलपुर्जों, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर से जुड़े निवेश अवसरों पर विचार किया जाएगा। डिजिटल बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में वैश्विक क्षमता केंद्र और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में जापानी कंपनियों की संभावनाएं भी प्रस्तुत की जाएंगी।कौशल एवं कार्यबल विकास को भी सम्मेलन के एजेंडे में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। तकनीकी प्रशिक्षण, उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकास तथा शिक्षण संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर रहेगा। पर्यटन एवं संस्कृति के क्षेत्र में आतिथ्य और स्मार्ट नागरिक बुनियादी ढांचे से जुड़े अवसर जापानी निवेशकों के सामने रखे जाएंगे।

भारत माता की जय के नारों से गूंजा शहर, सैकड़ों लोगों ने लिया हिस्सा

प्रयागराज। उ.प्र. अपराध निरोधक समिति, लखनऊ शाखा प्रयागराज द्वारा प्रदेशीय चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के निर्देशन में रविवार को राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाली विशाल तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ सायं पत्थर गिरजाघर, सिविल लाइंस से हुआ। यह यात्रा हनुमान मंदिर चौराहा, हाथी पार्क, कंपनी बाग चौराहा होते हुए सुभाष चंद्र बोस चौराहा पर संपन्न हुई। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ समिति के वाइस चेयरमैन, पूर्व आईएएस डॉ. आर.एस. वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। समिति के सचिव संतोष कुमार और डॉ. वर्मा ने स्वयं रैली की अगुवाई कर सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का उत्साह बढ़ाया। यात्रा में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दोपहिया वाहनों पर तिरंगा लेकर सहभागिता की। पूरे मार्ग में भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण देशभक्ति से गूंजता रहा। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, स्वतंत्रता और गौरव का प्रतीक है। यात्रा को सफल बनाने में संगठन सचिव सतीश मिश्रा, लक्ष्मीकांत मिश्रा एडवोकेट, पीएन मिश्रा, शोएब आलम, कुलदीप धार, विशाल श्रीवास्तव, प्रशांत सिंह, अर्जुन सिंह, संजय शुक्ला, संजय उपाध्याय, नरेंद्र देव मिश्रा, कयामुद्दीन, आर.ए. फारुकी, संदीप सोनी, अभिषेक वर्मा सहित महिला पदाधिकारियों भावना त्रिपाठी, श्वेता शर्मा, नम्रता गुप्ता, शना बानो सहित अनेक महिलाओं ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

भारी बारिश से जलमग्न हुए मुहल्ले, कारें-बाइक डूबीं

घरों में घुसा पानी, गलियों में नाव चलाकर एनडीआरएफ टीम ने संभाला मोर्चा

प्रयागराज। रविवार रात से शुरू हुई भारी बारिश के चलते सोमवार को शहर के कई इलाकों में हालात बेकाबू हो गए हैं। सड़कों और गलियों में घुटने भर से ज्यादा पानी भर गया है। शहर के सिविल लाइंस, जार्जटाउन, कटरा, निरंजन डॉटपुल, लीडर रोड, राजरूपपुर, चौक, दारागंज, टैगोर टाउन, अलोपीबाग, करेली समेत कई मोहल्लों में घरों में पानी भर जाने से परेशानी बढ़ गई है। करेली में एनडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए लगाया गया है।प्रयागराज में आज (सोमवार) सुबह से रुक–रुक बारिश हो रही है। रविवार देर रात तेज बारिश होने से हालात बिगड़ गए हैं। करेली इलाके की कॉलोनियों और गलियों में 4 फीट तक पानी भर गया है। कारें और बाइकें डूब गई हैं। मकानों के ग्राउंड फ्लोर आधे डूब चुके हैं। लोग पहली मंजिल पर रहने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। पुलिस और छक्त्थ की टीम लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है।हालांकि, बारिश से लोगों को उमस से राहत मिली है। इससे तापमान में भी करीब 5 डिग्री की गिरावट आई है। बारिश के बाद सिविल लाइंस, निरंजन डॉट पुल, जॉर्ज टाउन, नया बस अड्डा, सीएमपी कॉलेज के सामने, गोविंदपुर और दलीगंज समेत कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। जलभराव से लोगों को आने–जाने में परेशानी हुई।कुरेली के जसीर की पुलिया के पास सोमवार को भारी बारिश के बाद पूरे इलाके में जलभराव की स्थिति बन गई। कई घरों में बारिश का पानी भर गया। सूचना मिलते ही एसीपी अतरसुइया राम सिंह, एनडीआरएफ के जवान तत्काल मौके पर पहुंचे। टीम ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बोट की मदद से कई घरों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। करीब एक घंटे तक हुई बारिश के बाद शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। प्रमुख मार्गों के साथ कॉलोनियों की सड़कों पर भी पानी नजर आया।

तेजी से बढ़ीं गंगा-यमुना, दुकानें-शिविर समेटने लगे लोग

संगम नोज डूबा, कई घाटों तक पहुंचा पानी

प्रयागराज। सोमवार को प्रयागराज में गंगा–यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ा। संगम नोज पूरी तरह जलमग्न हो गया। रामघाट, संगम पक्का घाट, वीआईपी घाट, किला घाट, दशाश्वमेध घाट, सरस्वती घाट और अरैल घाट तक पानी पहुंच गया। अचानक बढ़े जलस्तर से घाट किनारे दुकानें और शिविर लगाने वालों में हड़कंप मच गया। लोग सामान समेटकर सुरक्षित जगहों पर जाने लगे।फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 79.47 मीटर पहुंच गया। यहां 24 घंटे में 28 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई। छतनाग में जलस्तर 78.15 मीटर रहा। यहां 74 सेंटीमीटर की तेज वृद्धि दर्ज हुई।स्थानीय लोगों ने बताया कि एक दिन पहले जलस्तर काफी नीचे था। लेकिन बीती रात बहुत तेजी से बढ़ा। घाट पर लगे तंबूओं में पानी भर गया। मेन सड़क से पानी कुछ ही दूरी पर है। वहीं कुछ लोग अपनी दुकानें और शिविर को उखाड़कर ऊपर की ओर शिफ्ट हो रहे हैं। उन्होंने बताया पानी एक रात में बहुत तेजी से आ गया। यहां का सामान सब हटाना पड़ेगा। कब यहां पर डूब जाए। इसलिए सामान हम लोग हटा के जल निगम के सामने परेड ग्राउंड में जा रहे हैं। जब गंगा जी घटेंगी तो वापस आएंगे। पहले तो यहां टीले बने थे ऊंचे–ऊंचे, जब से कुंभ से वो बराबर हो गया तो पानी तेजी से आ जाता है। और पीछे से राम घाट के वहां से पहले घुसता है, इधर से आ जाता है। इस बाबत प्रशासन का कहना है कि पिछले 24 घंटों में जलस्तर का कुल अंतर सेंटीमीटर में नापा गया, पर वह अभी भी संभावित खतरे के स्तर से नीचे है। प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक जोखिम न लेने की अपील की है। साथ ही पशुओं को सुरक्षित ऊंची जगह पर ले जाने और स्थानीय आपदा प्रबंधन केंद्रों से संपर्क में रहने को कहा गया है। नगर निगम व जल आपदा टीमों ने नियमित गश्त तेज कर दी है और आवश्यकता पड़ने पर राहत शिविर व सहायता की व्यवस्था तुरंत सक्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्रकार नवीन सारस्वत हूए 'नागरिक गौरव सम्मान' से सम्मानित

विष्णापुरी विकास समिति ने मेधावी प्रतिभाओं को किया सम्मानित

प्रयागराज। विष्णापुरी विकास समिति के महासचिव श्रीराम शिवहरे ने बताया कि कॉलोनी परिवार द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह एवं मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कॉलोनी की मेधावी प्रतिभाओं एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलोनी के वरिष्ठ नागरिक एवं समिति के लेखा परीक्षक गौरी शंकर सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता आद्या प्रसाद तिवारी, छोटेलाल सिंह, इंद्रजीत यादव, कॉलोनी अध्यक्ष डॉ. मानसिंह, रुक्मणी कुमारी, गीता सिंह, फूलचंद्र सिंह एवं डॉ. दीपमाला पटेल सहित अन्य गणमान्य नागरिकों द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण के साथ हुआ। इस अवसर पर कॉलोनी की मेधावी प्रतिभाओं डॉ. दीपशिखा सिंह, प्रखर सिंह, डॉ. श्रिया सिंह, डॉ. जागृति शिवहरे, उषा कुमारी, नीलेंद्र सिंह, कार्तिकेय सिंह, रुद्र दुबे, तनीषा यादव, आशीष चंद्र, खुशी सिंह, श्रेया सिंह, अर्पिता सिंह, आदर्श सिंह, अदिति कुमारी, दीप्ति सिंह, अक्षिता शर्मा, अंशिका पांडे एवं वैभव गुप्ता आदि को तिरंगा पट्टिका, स्मृति–चिह्न एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर 'प्रतिभा रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया।जनमानस की ज्वलंत समस्याओं को समाचारों के माध्यम से प्रशासन एवं शासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए मुखर पत्रकार नवीन सारस्वत को अंगवस्त्र, स्मृति–चिह्न एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर 'नागरिक गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। वहीं समिति के महासचिव श्रीराम शिवहरे को भी समिति की ओर से अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में सुरेंद्र सिंह, इंजीनियर सत्यनारायण सिंह, नागेश सिंह, संतोष कुमार सिंह, लाल ठेकेदार, गजाधर सिंह, विजय सिंह, सत्यनारायण सिंह, राकेश शुक्ला, डॉ. वीरेंद्र सिंह, अशोक दुबे, सुरेश चंद यादव, मनोज गुप्ता, लाल सिंह कुशवाहा (राम जी आटा चक्की) सहित अनेक कॉलोनीवासियों ने सराहनीय [illegible]

स्व0 तशना ने अपनी शायरी के जरिए एक अलग पहचान बनाई- एम ए हसीन

कानपुरी की याद में एक शेरी नशिस्त का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता इलाहाबाद हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट एम ए हसीन ने की और मुख्य अतिथि के रूप में यूसुफ हबीब और विशिष्ट अतिथि में इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की पूर्व अध्यक्ष विभाग अरबी व फारसी की सालेहा रशीद, मोहर्रम कमेटी अध्यक्ष असरार नियाजी , तालीम घर के बानी अहसान उल्लाह अंसारी और अदब घर के बानी फरमूद इलाहाबादी उपस्थित रहे। प्रोग्राम का संचालन इलाहाबाद हाईकोर्ट सीनियर एडवोकेट बख्तियार यूसुफ ने किया। सीनियर एडवोकेट एम ए हसीन ने कहा कि स्व मशहूर शायर शाकिर हुसैन तशना कानपुरी एक बेहतरीन शायर ही नहीं थे बल्कि वो एक वरिष्ट पत्रकार थें। उन्होंने ने शेरों शायरी में अपनी एक अलग पहचान बनाई और आज वो हमारे बीच नहीं लेकिन वो हमारे दिलों में जिंदा हैं। मुख्य अतिथि यूसुफ हबीब ने कहा कि स्व शाकिर हुसैन तशना वरिष्ट पत्रकार थें और उन्होंने पत्रकारिता जगत में एक बड़े कलमकार के रूप में जाने जाते थे।इस अवसर पर डॉक्टर सालेहा रशीद, तालीम घर के बानी अहसान उल्लाह अंसारी और फरमूद इलाहाबादी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन एडवोकेट बख्तियार यूसुफ ने किया। इस दौरान उपस्थित लोगों में असरार गांधी, आसिफ उस्मानी, महमूद खान, वजीर खान, असद कुरैशी, अशद हुसैन ताबी आदि मौजूद रहे।

अग्रवाल समाज महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया तीज उत्सव

कजरी और तीज क्वीन प्रतियोगिता ने बांधा समां

प्रयागराज। श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज, प्रयागराज की महिला मंडल द्वारा हरियाली तीज के पावन अवसर पर जीरो रोड स्थित होटल नवीन कॉन्टिनेंटल में भव्य एवं उल्लासपूर्ण तीज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पारंपरिक संस्कृति, लोकगीतों और मनोरंजन का भरपूर आनंद लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मोना अग्रवाल ने की। कार्यक्रम का संचालन पूजा अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारुल अग्रवाल एवं महिला मंडल की सभी सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात कजरी गायन, तीज क्वीन एवं तीज सम्मान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कजरी कार्यक्रम में सविता, सूची, नीतू, प्रियंका, निधि, रीता, किरण, पूनम, पिंकी, राधा, संगीता, छाया, ज्योति, अनीता, पूनम एवं सोनी ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के दौरान तीज क्वीन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं इस वर्ष का तीज सम्मान पूजा अग्रवाल को प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष पीयूष रंजन अग्रवाल, महामंत्री अभिषेक मित्तल एवं कोषाध्यक्ष मनीष गोयल के साथ ही युवा मंडल के अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल अपनी पूरी टीम के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने कहा कि तीज जैसे पारंपरिक पर्व हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम हैं।

नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में कोटेदार कमीशन प्रणाली कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सुलतानपुर कोटेदारों की आय में वृद्धि एवं उनके सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कोटेदार कमीशन प्रणाली के अंतर्गत कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मा0 भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुशील त्रिपाठी, जिलाधिकारी श्री इंद्रजीत सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह एवं जिला पूर्ति अधिकारी श्री राकेश कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं कोटेदार उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश द्वारा लोक भवन, लखनऊ से कोटेदार कमीशन प्रणाली के संबंध में किए गए कार्यक्रम का लाइव प्रसारण वर्चुअल माध्यम से उपस्थित लोगों द्वारा देखा एवं सुना गया। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा बटन दबाकर लाभांश की घोषणा की गई, जिसके उपरांत उन्होंने उपस्थित जनसमूह को

संबोधित किया। इस अवसर पर मा0 भाजपा जिलाध्यक्ष ने अपने संबोधन में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कोटेदारों की आय में वृद्धि करने के साथ–साथ उनके सम्मान को भी बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कोटेदार कमीशन प्रणाली को कोटेदारों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया गया।

फीका पड़ गया नाग पंचमी का त्योहार

बल्दीराय सुल्तानपुर। सावन की नाग पंचमी कभी गांव की जिंदगी में उमंग, उल्लास, मेल–मिलाप और लोक परंपराओं का पर्व हुआ करती थी। नाग देवता की पूजा के साथ खेत–खलिहानों, गांव की चौपालों और बाग–बगीचों में उत्सव का माहौल दिखाई देता था। लेकिन बदलते समय के साथ नाग पंचमी का वह पारंपरिक रंग अब धीरे–धीरे फीका पड़ता जा रहा है। कभी पेड़ों की मजबूत डालियों पर पड़ने वाले सावन के झूले और उनकी पेंग अब बीते दौर की याद बनते जा रहे हैं।

झूलों की पेंग से लेकर अखाड़े की हुंकार तक बदल गई तस्वीर

एक दौर था जब नाग पंचमी के आसपास गांवों में अखाड़े सजते थे। युवा और बुजुर्ग पहलवान मिट्टी के अखाड़े में दांव–पेंच आजमाते थे। कुश्ती केवल ताकत का प्रदर्शन नहीं, बल्कि अनुशासन, भाईचारे और स्वस्थ जीवनशैली का प्रतीक मानी जाती थी। बच्चे और ग्रामीण, घंटों अखाड़े में बैठकर, पहलवानों के मुकाबले देखते थे। आज अधिकांश गांवों में ऐसे अखाड़े या तो उजड़ चुके हैं या फिर उनका अस्तित्व केवल बुजुर्गों की स्मृतियों में रह गया है।

सावन के गीतों की जगह मोबाइल की दुनिया

नाग पंचमी पर गांव की महिलाएं और युवतियां समूह में झूला झूलतीं थीं, सावन के लोकगीत गातीं थीं और एक–दूसरे के सुख–दुख साझा करती थीं। पेड़ों की डालियों पर झूलों की पेंग के साथ मनभावन कजरी से पूरा वातावरण सावनमय हो जाता था। अब न वह सामूहिकता रही और न वह उमंग। जो अब गांवों के गलियों का दिवास्वप्न बन गया है । मोबाइल, इंटरनेट और बदलती जीवनशैली ने लोगों के खाली समय और सामाजिक मेलजोल दोनों को प्रभावित किया है।भागमभाग की जिंदगी में सिमटता जा रहा सामाजिक सौहार्दआज की जिंदगी में पढ़ाई, नौकरी, रोजगार और प्रतिस्पर्धा की दौड़ इतनी तेज हो गई है कि लोगों को अपने लोगों के लिए ,परिवार और समाज के लिए , समय निकालना भी मुश्किल होता जा रहा है। पर्व–त्योहारों का सामूहिक स्वरूप ,धीरे–धीरे व्यक्तिगत गतिविधियों में बदल रहा है। इसका असर केवल नागपंचमी पर ही नहीं, बल्कि गांवों की अनेक लोक परंपराओं पर दिखाई दे रहा है।नागपंचमी का धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक महत्व भीनागपंचमी सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन नाग देवता की पूजा कर प्रकृति, जीव–जंतुओं और पर्यावरण के प्रति सम्मान की भावना व्यक्त की जाती है। ग्रामीण संस्कृति में यह पर्व खेती–किसानी और प्रकृति से गहरे जुड़ाव का भी प्रतीक रहा है। इसलिए नागपंचमी को केवल पूजा पाठ तक सीमित न रखकर इससे जुड़ी लोक परंपराओं, आपसी भाईचारे और सामूहिक उत्सव की संस्कृति को भी बचाने की जरूरत है। बुजुर्गों की आंखों में आज भी जिंदा है वह सावन गांव के बुजुर्ग आज भी उस दौर को याद करते हुए कहते हैं कि तब त्योहार लोगों को एक–दूसरे के करीब लाते थे। आज साधन बढ़े हैं, सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन सामूहिक खुशी और आत्मीयता बड़ी तेजी से कम होती दिखाई दे रही है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस पर सीएमओ ने परखी स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था

सुलतानपुर। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस के अवसर पर सीएमओ डॉ. भारत भूषण ने स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध करा रही प्रसवपूर्व जांच एवं मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि किसी भी गर्भवती महिला को आवश्यक जांच, उपचार और परामर्श से वंचित न रखा जाए। उन्होंने विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों की समय रहते पहचान कर उनका उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल उच्च स्वास्थ्य केंद्र के लिए रेफर करने के निर्देश दिए। सीएमओ ने कहा कि मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक गर्भवती महिला को सम्मानजनक, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को सहजन और अमरूद के पौधे भी वितरित किए गए। पौधों के वितरण के माध्यम से महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक संतोष यादव, सीएचसी बल्दीराय के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कोटेदारों को सरकार की सौगात, लाभांश 90 से बढ़कर 125 रुपये प्रति क्विंटल

सुल्तानपुर। जिले के सरकारी राशन की दुकानों के संचालकों यानी कोटेदारों के लिए सरकार ने बड़ी राहत दी है। उचित दर विक्रेताओं का लाभांश 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्क्रीन के माध्यम से कोटेदारों को संबोधित करते हुए नई व्यवस्था और उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दी। कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी और पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल मौजूद रहे। नई व्यवस्था के तहत कोटेदारों को राशन वितरण के साथ अतिरिक्त आय के अवसर भी उपलब्ध कराने की तैयारी है। उचित दर की दुकानों पर 39 मानक वस्तुओं की बिक्री, कॉमन सर्विस सेंटर का संचालन तथा ई–पॉस मशीन के माध्यम से बिजली बिल जमा करने की सुविधा शुरू की जाएगी। बल्दीराय ब्लॉक सभागार में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह, एसडीएम प्रभात सिंह और पूर्ति निरीक्षक निर्भय सिंह की मौजूदगी में 69 कोटेदारों ने मुख्यमंत्री का संबोधन सुना। इसके साथ ही ई–पॉस आधारित फीडबैक प्रणाली की शुरुआत की गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर समाजसेवी ने पूर्व सैनिकों का किया सम्मान

कुड़वार सुल्तानपुर। 80 वे स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर रामलीला मैदान स्थित सामुदायिक भवन में समाजसेवी द्वारा भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया।15 अगस्त को रामलीला कमेटी

कुड़वार के अध्यक्ष राम सूरत तिवारी द्वारा सामुदायिक भवन पर झंडारोहण किया गया।झंडारोहण के बाद आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी पंकज तिवारी व उनके भाई दीपक तिवारी ने क्षेत्र के पूर्व सैनिकों हौसला प्रसाद मिश्रा, महेन्द्र कुमार त्रिपाठी,श्याम सुन्दर सिंह,कैलाश चंद्र पाठक व राम सहाय उपाध्याय को साल ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।उन्होंने बताया कि ऐसे कार्य करने की प्रेरणा उन्हें अपने पिता स्व अवधेश तिवारी से मिली थी।उनके द्वारा दिए गए संस्कारों के चलते इन दोनों भाइयों द्वारा लगातार समाजसेवा का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित राम प्रकाश शुक्ला, शिव प्रसाद बाजपेई ने संबोधित किया। इस मौके पर अखिलेश तिवारी, रमेश तिवारी, विजय तिवारी ,श्रवण मिश्र, गिरीश चंद्र श्रीवास्तव, पंकज गौतम, सादिक अली, अजीत कोरी, जितेंद्र सिंह, सूर्यभान सिंह सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

मीरजापुर में देश के 109वें प्रधानमंत्री दिव्याशा-वयोश्री केंद्र का शुभारंभ, 94 लाभार्थियों को 21 लाख के 308 सहायक उपकरण वितरित

दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी सौगात, मीरजापुर में प्रधानमंत्री दिव्याशा-वयोश्री केंद्र का हुआ शुभारंभ

मीरजापुर में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्थायी सुविधा केंद्र शुरू, 94 लाभार्थियों को मिले निःशुल्क सहायक उपकरण

प्रधानमंत्री के 'समावेशी विकास' के संकल्प को मीरजापुर में मिली नई मजबूती, देश के 109वें दिव्याशा-वयोश्री केंद्र का शुभारंभ -मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री

दूरस्थ यात्रा और अतिरिक्त खर्च से मिलेगी राहत, मीरजापुर में दिव्यांगजनों व वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्थायी केंद्र शुरू

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सशक्त, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर रहा है कार्य -अनुप्रिया पटेल

मिर्जापुर, 17 अगस्त 2026– प्रधानमंत्री दिव्यासी–वयोश्री केन्द्र का षिपापट्ट का अनावरण कर उद्घाटन एवं सहायक उपकरणों के निषुल्क वितरण समारोह का सिटी क्लब में केन्द्रीय राज्यमंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन उर्वरक भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने दीप प्रज्जवलित कर षुभारम्भ किया। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत राजू कनौजिया, चेयरमैन सहकारिता जगदीष पटेल, जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजीनियर राम लौटन बिन्द, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, मुख्य विकास अधिकारी विषाल कुमार, प्राचार्य मेडिकल कालेज संजीव कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 कीर्ति कुमार मिश्रा उपस्थित रहें।

इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन उर्वरक भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के ''समावेशी विकास'' के विजन को धरातल पर उतारते हुए, मीरजापुर जनपद के वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया गया है। भारत सरकार द्वारा 'एडीप' व 'राष्ट्रीय वयोश्री योजना' के विस्तार के लिए 'प्रधानमंत्री दिव्याशा–वयोश्री केंद्र' स्थापित किए जाते हैं जिनके माध्यम से दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान करना, दिव्यांगजन एवं वरिष्ठजनों का आकलन करना और उक्त योजनाओं के तहत पूर्व में प्रदान किए गए उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव आदि की स्थायी सुविधा प्रदान की जाती है। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), कानपुर द्वारा प्रधानमंत्री दिव्याशा–वयोश्री केंद्र के माध्यम से मीरजापुर के दिव्यांगजन व वरिष्ठ नागरिकों को स्थानीय स्तर पर सहायक उपकरणों के पंजीकरण, मरम्मत और परामर्श के लिए अब स्थायी

सुविधा प्राप्त हो सकेगी जिससे दूरस्थ यात्रा, समय व अतिरिक्त व्यय की बाधा भी समाप्त होगी। जिला प्रशासन, महिला चिकित्सालय व एलिम्को की समन्वित भागीदारी से नियमित उपकरण चयन, वितरण और अनुवर्ती सेवाओं को सुनिश्चित किया जाए।

केन्द्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि मीरजापुर की इस पावन धरती पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आज का यह अवसर केवल एक केंद्र के उद्घाटन अथवा सहायक उपकरणों के वितरण का अवसर नहीं है, बल्कि यह सम्मान, संवेदना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समावेशन के हमारे संकल्प को और मजबूत करने का अवसर ळें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय हमारे देश के दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सशक्त, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में मंत्रालय ने देश भर में दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के कल्याण के लिए कई अभूतपूर्व उपलब्धियाँ हासिल की हैं और अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ सफलतापूर्वक संचालित की जा रही हैं। मंत्रालय की एडिप योजना और राष्ट्रीय वयोश्री योजना के माध्यम से जरूरतमंद दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि मुझे यह बताते हुए विशेष प्रसन्नता हो रही है कि मीरजापुर के विभिन्न विकास खंडों में 5 फरवरी से 19 फरवरी 2026 तक विशेषज्ञ टीमों द्वारा विशेष परीक्षण शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों के माध्यम से 3,626 वरिष्ठ पात्र लाभार्थियों की आवश्यकताओं का आकलन किया गया। इस कल्याणकारी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए, आज मीरजापुर के जिला महिला चिकित्सालय में एलिम्को (एलेमको) की विशेष इकाई ''प्रधानमंत्री दिव्याशा–वयोश्री केंद्र'' का उद्घाटन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश भर में अब तक 108 ''प्रधानमंत्री दिव्याशा–वयोश्री केंद्र'' स्थापित किए जा चुके थे, और आज हमारे मीरजापुर में देश के 109वें केंद्र की शुरुआत हो रही है। इस केंद्र के माध्यम से एडिप योजना के तहत दिव्यांगजनों और राष्ट्रीय वयोश्री योजना (आर0वी0वाई0) के तहत वरिष्ठ नागरिकों का मौके पर ही त्वरित परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान किए जाएँगे। इससे वितरण प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता आएगी और सरकारी योजनाओं की जानकारी जन–जन तक सुगमता से पहुँचेगी। यह केंद्र हमारे वरिष्ठ नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। अब उन्हें सहायक उपकरणों के पंजीकरण, मरम्मत और परामर्श जैसी सुविधाएँ स्थानीय स्तर पर निरंतर प्राप्त हो सकेंगी।

मंत्री ने कहा कि आज के इस कार्यक्रम के अंतर्गत मीरजापुर जिले में 94 लाभार्थियों को लगभग 21 लाख रुपये की लागत के 308 सहायक उपकरण प्रदान किए जा रहे हैं। इन उपकरणों में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, ट्राइसाइकिल, फोल्डिंग व्हीलचेयर, कमोड फोल्डिंग व्हीलचेयर, बैसाखी, छड़ी, कान की मशीन, सिलिकान तकिया, नी–ब्रेस, स्पाइनल सपोर्ट, एलएस बेल्ट, सीपी चेयर, रोलैटर और फोल्डेबल वाकर जैसे विभिन्न सहायक उपकरण शामिल हैं। इन आधुनिक सहायक उपकरणों का मुख्य उद्देश्य हमारे दिव्यांग भाइयों–बहनों और बुजुर्गों को शारीरिक सुगमता प्रदान करना, उन्हें स्वावलंबी बनाना और समाज की मुख्यधारा से मजबूती के साथ जोड़ना है। यह उपकरण केवल साधन नहीं हैं, बल्कि यह हमारे दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में सम्मान, गतिशीलता और नई उम्मीद का संचार करने का माध्यम हैं। मैं इसके लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम–एलिम्को, जिला प्रशासन तथा इस पूरी व्यवस्था से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देती हूँ। मैं विशेष रूप से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार का आभार व्यक्त करना चाहती हूँ, जिनके सहयोग से मीरजापुर में यह महत्वपूर्ण पहल साकार हो रही है। उन्होंने कहा कि मीरजापुर के विकास और यहां के नागरिकों के कल्याण के लिए मेरी सदैव यह प्राथमिकता रही है कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ हमारे क्षेत्र के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। मीरजापुर के वरिष्ठ नागरिकों को राष्ट्रीय वयोश्री योजना से जोड़ने और यहां स्थायी प्रधानमंत्री दिव्याशा–वयोश्री केंद्र की स्थापना का प्रयास इसी प्रतिबद्धता का परिणाम है। हमारे लिए विकास का अर्थ केवल सड़क, भवन और आधारभूत संरचना का निर्माण नहीं है। वास्तविक विकास तब है, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति–चाहे वह वरिष्ठ नागरिक हो, दिव्यांगजन हो, महिला हो या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से संबंधित हो–सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जी सके। हमारा लक्ष्य ऐसा समाज बनाना है जहां किसी व्यक्ति की उम्र या शारीरिक अक्षमता उसकी क्षमता और गरिमा के रास्ते में बाधा न बने। आज मैं यहां उपस्थित सभी लाभार्थियों से कहना चाहती हूं कि ये उपकरण केवल सरकार की ओर से मिली सहायता नहीं हैं, ये आपके आत्मविश्वास के नए साथी हैं। इनका अधिकतम उपयोग कीजिए, अपने दैनिक जीवन को और सुगम बनाइए और अपने अनुभव तथा ऊर्जा से समाज को आगे बढ़ाने में योगदान देते रहिए। मंत्री ने कहा कि मीरजापुर के सभी वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजन भाई–बहनों और उनके परिवारों को इस महत्वपूर्ण पहल के और प्रधानमंत्री दिव्याशा वयोश्री केंद्र, मीरजापुर के शुभारंभ पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूँ और आज के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों, दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिक भाई–बहनों तथा मीडिया के मित्रों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। इस अवसर पर चेयरमैन सहकारिता जगदीष सिंह पटेल, जिला अध्यक्ष राजू कनौजिया, जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजीनियर राम लौटन बिन्द ने उपस्थित लाभार्थियों को सम्बोधित किया और कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ हमारे क्षेत्र के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। इस अवसर पर राष्ट्रग्रान का गायन कर कार्यक्रम का समापन किया गया। मंच का सफल संचालन विनोद श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक एलेम्को अजय चौधरी, राश्ट्रीय सचिव अपना दल एस मेघनाथ पटेल, राष्ट्रीय सचिव किसान मंच रमाकांत पटेल, विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर केसरवानी, मंडल अध्यक्ष सुश्री डाली अग्रहरि, जिला मीडिया प्रभारी षंकर सिंह चौहान, जिला दिव्यांजन सषक्तीकरण अधिकारी सहित प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनपद की सभी तहसीलों में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस, अधिकारियों ने सुनीं जनसमस्याएं

जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त 164 प्रार्थना पत्रों में से मौके पर 23 का किया गया निस्तारण

मीरजापुर, 17 अगस्त 2026– शासन की मंशा के अनुरूप जनपद की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने तहसील स्तर पर पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक

सुनते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

तहसील सदर में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने मुख्य विकास अधिकारी विषाल कुमार के साथ आए हुए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी के समक्ष कुल 164 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 23 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों का निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच करते हुए शिकायतकर्ता को संतुष्ट करने वाली कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है। उन्होंने कहा कि पैमाइष के मामले राजस्व व पुलिस की संयुक्त गठित कर मौके पर भेजते हुए दोनो पक्षों की उपस्थिति में पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाएं।

इसी क्रम में तहसील मड़िहान में अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 विनोद कुमार सिंह के समक्ष कुल 65 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 05 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील लालगंज में अपर जिलाधिकारी भू0ध्रा0 देवेंद्र प्रताप सिंह के समक्ष प्राप्त 45 प्रार्थना पत्रों में से 03 का निस्तारण किया गया। वहीं तहसील चुनार में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 93 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 07 प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सदर उप जिलाधिकारी सदर महेन्द्र सिहं सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

साष्टांग दंडवत यात्रा निकाली गयी

जौनपुर । नागपंचमी और पवित्र श्रावण मास के तीसरे सोमवार को बोल बम दंडवत संघ की ओर से साष्टांग दंडवत यात्रा निकाली गई। सुबह करीब 9 बजे हनुमान घाट स्थित आदि गंगा गोमती के तट से शिवभक्तों ने पवित्र जल लेकर यात्रा की शुरुआत की। यात्रा का समापन मोहल्ला आलमगंज स्थित श्री श्री 1008 बाबा जागेश्वर नाथ धाम में जलाभिषेक के साथ हुआ। यात्रा हनुमान घाट से शुरू होकर चहारसू चौराहा, कोतवाली चौराहा और नवाब यूसुफ रोड होते हुए बाबा जागेश्वर नाथ धाम पहुंची। श्रद्धालुओं ने करीब डेढ़ किलोमीटर तक साष्टांग दंडवत करते हुए बाबा के दरबार में पहुंचकर जलाभिषेक किया। यात्रा के दौरान पूरे नगर में हर–हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे। बाबा जागेश्वर नाथ का रथ शोभायात्रा के रूप में आगे चल रहा था। इसके पीछे गाजे–बाजे और भक्ति गीतों के साथ शिवभक्त उत्साहपूर्वक चल रहे थे। संस्थापक अध्यक्ष सत्यनारायण केसरी ने बताया कि यह धार्मिक आयोजन हर वर्ष किया जाता है और इसमें बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि यह यात्रा पिछले 18 वर्षों से लगातार निकाली जा रही है। कहा कि यात्रा को व्यवस्थित बनाने में प्रशासन के साथ विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग मिलता है। उन्होंने सभी सहयोगियों और कार्यकर्ताओं का आभार जताया।

शराबी पिता की पिटाई से पुत्री की मौत

जौनपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र मोहल्ला कालीकुत्ती परमानतपुर में एक शराबी पिता ने पहले अपनी किशोरी पुत्री को बेरहमी से पीटा फिर उसके गले में साड़ी का फंदा बनाकर पंखे की कुंडी से लटका दिया। उपचार के दौरान मौत हो गई है। उक्त मोहल्ला निवासी अखिलेश कुमार बिंद शराबी किस्म का व्यक्ति है जो प्रतिदिन अपने परिवार को प्रताड़ित किया करता था। घटना 15 अगस्त रात लगभग 11 बजे उक्त शराबी ने पहले अपनी पत्नी सुनीता बिंद को बेरहमी से पीटा जिसके डर से वह पड़ोस में जाकर छिप गई। अन्य बच्चों में 17 वर्षीया खुशबू , 12 वर्षीया गुंजा इधर उधर भाग गई, लेकिन 14 वर्षीय चंदा अपने शराबी बाप के हाथों का शिकार हो गई। बताते हैं कि शराबी पिता ने पहले उसे बेरहमी से पीटा और साड़ी का फंदा बनाकर घर में लगे पंखे से लटका दिया। शोरगुल सुनकर आसपास के एकत्रित हुए और लड़की को फांसी के फंदे उतारकर जिला अस्पताल ले गये। परिजन उसे कलीचाबाद चौराहे के पास स्थित एक नीजी चिकित्सक के यहां ले गयें जहां वह जीवन और मृत्यू के बीच संघर्ष कर रही थी।

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

संसद केवल ईंट–पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग–सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है।संसदीय मर्यादाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक–एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व–जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध ा न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।संसद केवल ईंट–पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग–सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मर्यादा होती है। यदि विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं।इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट–यूजी पेपर लीक, जंतर–मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा

मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर–मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है। यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म–मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है–जब संसद चल सकती है तो उसे बार–बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है–विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है।अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध ा समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है। नारे लगाने के लिए ऊर्जा चाहिए, लेकिन तथ्यपूर्ण बहस के लिए अध्ययन चाहिए। माइक के सामने खड़े होने के लिए राजनीतिक उत्साह चाहिए, लेकिन कानून बनाने के लिए दूरदृष्टि चाहिए। कार्यवाही रोकने के लिए संख्या पर्याप्त हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए विवेक, धैर्य और संवाद आवश्यक है। आजादी के 80वें वर्ष की ओर बढ़ते भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है। हमने विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन क्या हमारी राजनीतिक संस्थाएं भी उसी गति से परिपक्व हुई हैं? क्या हम संसदीय प्रणाली को इतना सशक्त बना पाए हैं कि संसद के एक–एक मिनट का अधिकतम उपयोग कर सकें? क्या हम अपनी असहमति को इतनी गरिमा दे पाए हैं कि विरोध भी हो और संवाद भी बना रहे? क्या हम सत्ता को इतनी विनम्रता और विपक्ष को इतना विवेक दे पाए हैं कि दोनों मिलकर लोकतंत्र को मजबूत करें? इन प्रश्नों के उत्तर केवल संसद भवन के भीतर नहीं खोजे जाने चाहिए। राजनीतिक दलों के नेतृत्व, सांसदों, संसदीय कार्यप्रणाली और अंततः हम नागरिकों–सभी को इस पर विचार करना होगा। जनता को भी यह प्रश्न पूछना चाहिए कि उसका प्रतिनिधि संसद में कितनी बार उपस्थित रहा, कितने प्रश्न पूछे, कितनी बहसों में भाग लिया और राष्ट्र के लिए क्या सार्थक योगदान दिया।

सम्पादकीय

नौकरी की मजबूरी

भारतीय नाविकों के सामने भी नौकरी की मजबूरी है, जिससे जहाज मालिकों का निर्देश मानने के लिए वे विवश बने हुए हैं। जबकि फारस की खाड़ी, लाल सागर, और काला सागर में जोखिम बढ़ता जा रहा है।लाल सागर में यमन के पास भारतीय झंडे वाला एक व्यावसायिक जहाज डूब गया। राहत की बात है कि जहाज पर सवार 14 नाविकों को बचा लिया गया, जिनमें 13 भारतीय हैं। भारतीय जहाज एसएसवी फैज नूर ओलिया पर यमन के हुदैदाध मोखा बंदरगाह के पास मिसाइल अथवा ड्रोन से हमला हुआ। हमला किसने किया, तुरंत यह मालूम नहीं हो सका, लेकिन यमन के पास इस जलमार्ग में जहाजों को अक्सर अंसारुल्लाह (हुती) विद्रोही निशाना बनाते रहे हैं। अंसारुल्लाह ने लाल सागर में मौजूद बाब–ए–मंदाब जल मार्ग को आम नौवहन के लिए बंद कर रखा है। इसके पहले खाड़ी में पांच महीनों से जारी युद्ध के दौरान होरमुज जलडमरूमध्य के आसपास जहाजों पर हुए हमलों में कम–से–कम 14 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं।इस बीच पिछले महीने काला सागर से गुजरने का प्रयास भी भारतीय नाविकों के लिए जानलेवा साबित हुआ। बीते 18 जुलाई और 19 जुलाई को दो हमलों में पांच भारतीय नाविक मारे गए। ये हमले यूक्रेन ने किए। ऐसे मामलों में भारत सरकार की प्रतिक्रिया ष्कड़ी निंदाष करने तक सीमित रही है। पिछले महीने यह खबर जरूर मीडिया में आई थी कि भारत सरकार ने शिपिंग कंपनियों को खतरनाक इलाकों में जाने वाले जहाजों में भारतीय नाविकों की ड्यूटी ना लगाने का निर्देश दिया है। ऐसे कथित निर्देश के औचित्य पर तभी कई सवाल उठे थे। बहरहाल, अब यह साफ हो चुका है कि अगर सचमुच वैसा कोई दिशा–निर्देश दिया गया था, तो वह बेअसर साबित हुआ है। तमाम नाविकों की तरह भारतीय नाविकों के सामने भी नौकरी की मजबूरी है, जिससे जहाज मालिकों का निर्देश मानने के लिए वे विवश हैं। जबकि फारस की खाड़ी, लाल सागर, और काला सागर में जोखिम बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और ईरान के युद्ध में अब सबसे बड़ा मसला होरमुज का ही रह गया है, जिस पर अपना नियंत्रण बनाए रखने के लिए ईरान अडिग है। उधर हूतियों और सऊदी अरब के बीच लड़ाई छिड़ने से लाल सागर में भी खतरा बढ़ा है। इन सबके बीच भारतीय नाविकों को कैसे बचाया जाए, यह सवाल रोज अधिक बड़ा होता चला गया है।

विष्णु सरकार ने बढ़ाया किसानों का मान-खेती किसानी को मिला नया संबल

प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन ढाई साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.05 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती–किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढ़ेगा।परंपरा के अनुसार वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर अभिभावक जैसे–तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती–किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप–दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने–अपने घरों में अराध्य देवी–देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के गुड़ी में ठाकुरदेव की पूजा की जाती है।हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधियुक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है।

भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई सूची ने जो सियासी संकेत दिया है वह सबके समझ में आने वाली बात नहीं है

आईटी और सोशल मीडिया सेल की कमान अब छत्तीसगढ़ के दीपक म्हास्के को दी गई है। वहीं अनिल बलूनी मीडिया प्रभारी की अपनी जिम्मेदारी पर कायम हैं। यानी भाजपा ने डिजिटल मोर्चे पर चेहरे में बदलाव किया है, लेकिन मीडिया प्रबंधन के मौजूदा ढांचे में निरंतरता बनाए रखी है। नितिन नबीन की बहुप्रतीक्षित टीम का आज आखिरकार ऐलान हो ही गया। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने संगठन में लंबे समय से चल रही कवायद को अंजाम देते हुए अपनी नई राष्ट्रीय टीम सामने रख दी है। इस टीम में अनुभव, क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक समीकरण और चुनावी जरूरतों का ऐसा मिश्रण तैयार किया गया है, जिसमें पार्टी के पुराने दिग्गजों से लेकर नए चेहरों तक को जिम्मेदारी दी गई है। लेकिन इस पूरी कवायद में दो फैसले राजनीतिक चर्चा के केंद्र में हैं। एक तो अमित मालवीय को आईटी सेल प्रमुख की जिम्मेदारी से बाहर का रास्ता दिखाया गया है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर भाजपा के शीर्ष संगठन में वापसी हुई है।हम आपको बता दें कि आईटी और सोशल मीडिया सेल की कमान अब छत्तीसगढ़ के दीपक म्हास्के को दी गई है। वहीं अनिल बलूनी मीडिया प्रभारी की अपनी जिम्मेदारी पर कायम हैं। यानी भाजपा ने डिजिटल मोर्चे पर चेहरे में बदलाव किया है, लेकिन मीडिया प्रबंधन के मौजूदा ढांचे में निरंतरता बनाए रखी है। इस बदलाव को केवल संगठनात्मक फेरबदल मानना मुश्किल है। यह संकेत है कि नितिन नबीन डिजिटल और राजनीतिक नैरेटिव की लड़ाई में नई रणनीति और नए चेहरों के साथ उतरना चाहते हैं। साथ ही चूंकि नितिन नबीन छत्तीसगढ़ में पार्टी के प्रभारी रह चुके हैं ऐसे में वह जानते हैं कि उस राज्य के किस नेता की कार्यक्षमता का उपयोग कहां पर करना पार्टी के लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा।इसके अलावा, स्मृति ईरानी की वापसी इस टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश है। उन्हें उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। आक्रामक राजनीतिक शैली,

संसदीय अनुभव और विपक्ष के खिलाफ मुखर राजनीतिक लड़ाई के लिए पहचाने जाने वाली स्मृति ईरानी को संगठन के शीर्ष स्तर पर लाना बताता है कि भाजपा उत्तर प्रदेश जैसे निर्णायक राज्य में राजनीतिक सक्रियता को और धार देना चाहती है।राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। उनके साथ तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। छह महिला उपाध्यक्षों की मौजूदगी से महिला प्रतिनिधित्व का संदेश भी स्पष्ट है।इसके अलावा, राष्ट्रीय महासचिवों की टीम में विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बिप्लब कुमार देब, स्मृति ईरानी, डॉ. सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया शामिल हैं। संगठन के स्तर पर बीएल संतोष राष्ट्रीय महासचिव संगठन बने हुए हैं, जबकि शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव संगठन की जिम्मेदारी मिली है। इसका अर्थ है कि नबीन ने संगठन की अनुभवी मशीनरी को बनाए रखते हुए राजनीतिक मोर्चे पर अपनी टीम को विस्तार दिया है। साथ ही 16 राष्ट्रीय सचिवों की सूची में भी व्यापक क्षेत्रीय संतुलन दिखाई देता है। कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, डॉ. भोला सिंह, डॉ. प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, आम आदमी पार्टी से भाजपा में आये डॉ. संदीप पाठक और फांगनॉन कोन्याक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, डॉ. एम. वेंकटेशन, मनोज तिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, डॉ. स्वदेश सिंह, मृगांका देब बर्मन, रोहन गुप्ता और जय प्रकाश को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। इनमें दक्षिण, पूर्वोत्तर, पूर्वी भारत, हिंदी पट्टी और शहरी राजनीतिक पृष्ठभूमि, सभी को जगह मिली है। नई टीम के अन्य हिस्से भी राजनीतिक संकेत दे रहे हैं।

आधारभूत चुनौतियों से उन्नत विषयों तक ह स्वतंत्रता दिवस भाषणों के जरिए भारत के बदलाव की यात्रा

पिछले एक दशक में भारत ने कितनी दूरी तय की है, इसे मापने का एक सरल तरीका हैरू प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के भाषणों को सुनना।मोदी सरकार के शुरुआती वर्षों में भाषण उन समस्याओं पर केंद्रित होते थे जिन्हें आज हम सामान्य मान सकते हैंरू शौचालय, बिजली, गरीबी, सड़कें, बैंक खाते और उर्वरक की कमी। लेकिन जब प्रधानमंत्री ने इन पर बात की, तो उनके लहजे में एक तत्परता थी। चुनौती यह थी कि जो टूटा हुआ है उसे ठीक किया जाए और जो छूट गए हैं उन तक पहुंचा जाए।वर्षों के दौरान, उनकी शब्दावली में बदलाव आने लगा। बातचीत पहुंच से आकांक्षा की ओर, कमियों को दूर करने से क्षमताओं के निर्माण की ओर, और तात्कालिक समस्याओं को हल करने से ऐसी प्रणालियां बनाने की ओर बढ़ी जो भारत की पहचान को फिर से उन समस्याओं से न बांध सकें।शायद यही कारण है कि लाल किले से दिए गए उनके संबोधनों की अवधि और उनका दायरा अपने आप में एक अलग पहचान बन गया है।जिस प्रधानमंत्री का कार्य जीवन अथक परिश्रम के लिए जाना जाता है, उनके द्वारा लाल किले से देश की यात्रा को प्रस्तुत करने में समर्पित समय बहुत कुछ बयां करता है। ये केवल वार्षिक भाषण नहीं हैंय यदि इन्हें एक साथ पढ़ा जाए, तो ये देश के रूपांतरण के एक चलते–फिरते रिकॉर्ड जैसे प्रतीत होते हैं।1. शौचालय ? सेमीकंडक्टर 2014रू क्या हम अपनी माताओं और बहनों की गरिमा के लिए शौचालय की व्यवस्था भी नहीं कर सकते? 2026रू आज की डिजिटल दुनिया और तकनीक–संचालित युग में, हम चिप के महत्व को समझते हैं। चाहे इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान हो, चिकित्सा उपकरण हों या परिवहन प्रणाली, चिप्स हर जगह अनिवार्य हैं। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां चिप्स के बिना पूरी व्यवस्था ठप हो सकती है। यही कारण है कि भारत ने आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अपनी सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षमता स्थापित करना शुरू कर दिया है।2. ग्रामीण सड़कें ? उपग्रह ? मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन ? एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग 2016रू हमारे देश में ग्रामीण सड़कें एक शाश्वत मुद्दा हैं। प्रत्येक ग्रामीण नागरिक पक्की सड़कों की इच्छा रखता है। 2018 हमारे वैज्ञानिकों ने एक साथ 100 से अधिक उपग्रह प्रक्षेपित किए, जिससे पूरी दुनिया आश्चर्यचकित रह गई। 2024रू मैंने देखा है कि चंद्रयान मिशन की सफलता के बाद हमारे स्कूलों और कॉलेजों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रुचि का एक नया माहौल बना है। 2025रू हम अंतरिक्ष में अपने दम पर आत्मनिर्भर भारत गगनयान की तैयारी कर रहे हैं। हम अपने दम पर अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। 2026रू आज एआई, क्वांटम टेक्नोलॉजी, स्पेस, रोबोटिक्स और डेटा सेंटर का युग है। एक बिल्कुल नया क्षेत्र खुल गया है। उभरती प्रौद्योगिकियां हमें हर पल चुनौती दे रही हैं। इसलिए, हमें अपने देश को केवल दुनिया का बाजार नहीं बनाना हैय हमें नवाचार का केंद्र बनना होगा।3. गरीबी के खिलाफ लड़ाई 2014रू यदि भारत के लोग बिना सरकार की ताकत के, बिना हथियारों के और बिना संसाधनों के भी इतने बड़े साम्राज्य को उखाड़ फेंक सकते हैं, तो दोस्तों, आज समय की मांग है कि गरीबी को मिटाया जाए, क्या हम गरीबी पर विजय नहीं पा सकते? क्या हम गरीबी को हरा नहीं सकते? मेरे 125 करोड़ प्यारे देशवासियो, आइए हम गरीबी मिटाने का, इसके खिलाफ जीतने का संकल्प लें। 2026रू विकसित भारत का संकल्प तभी पूरा होगा जब विकास अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। 2014 से पहले केवल 25 करोड़ लोगों के पास सामाजिक सुरक्षा कवच था... हमने एक दशक के भीतर 100 करोड़ देशवासियों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान किया है।4. महिलाओं की गरिमा से लेकर महिला–नेतृत्व वाले आरक्षण तक 2014 हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। क्या हमें कभी इस बात का दर्द हुआ है कि हमारी माताओं और बहनों को खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है? क्या महिलाओं की गरिमा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी नहीं है? गांव की गरीब महिलाएं रात होने का इंतजार करती हैंय जब तक अंधेरा न हो जाए, वे शौच के लिए बाहर नहीं जा सकतीं... क्या हम अपनी माताओं और बहनों की गरिमा के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं कर सकते? 2018रू मैं गर्व के साथ भारतीय सशस्त्र बलों की शॉर्ट सर्विस कमीशन में महिला अधिकारियों की नियुक्ति के लिए स्थायी कमीशन देने की घोषणा करता हूं। 2026रू आइए हम उनकी गरिमा को बनाए रखने के लिए आगे आएं और यह सुनिश्चित करें कि हमारी माताओं और बहनों को जल्द से जल्द विधानसभाओं और लोकसभा में 33त्न प्रतिनिधित्व मिले, ताकि वे भारत की नीतियों को आकार देने में योगदान दे सकें। यह समय की मांग है और मैं एक बार फिर सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं कि आएं और इस कार्य में शामिल हों।5. किसानों को प्राथमिकता देना 2014रू लेकिन, कृपया मुझे बताएं कि हमारे किसान आत्महत्या क्यों करते हैं? किसान साहूकार से कर्ज लेता है, लेकिन कर्ज चुकाने में असमर्थ रहता है। वह अपनी बेटी की शादी के लिए कर्ज लेता है, लेकिन चुका नहीं पाता। उसे जिंदगी भर कष्ट सहने पड़ते हैं। वह आत्महत्या का रास्ता चुनता है। ऐसे किसानों के गरीब परिवारों को कौन बचाएगा? 2018रू अर्थशास्त्री, किसान संगठन, किसान और साथ ही राजनीतिक दल यह मांग कर रहे थे कि किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूस्क्क) मिलना चाहिए। इस मुद्दे पर सालों तक बहस हुई, फाइलें इधर–उधर घूमती रहीं, लेकिन बात अटकी रही। आखिरकार हमने फैसला लिया। हमने किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना रूस्क्क देने का साहसिक निर्णय लिया। 2025 पिछले साल मेरे देश के किसानों ने खाद्यान्न उत्पादन में पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए... 4 लाख करोड़ रुपये के कृषि उत्पादों का निर्यात किया गया है। 2026रू हमारे किसानों की पहुंच अब वैश्विक बाजारों तक है।

आज का राशिफल

मेष राशि–

आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। इस राशि की जो महिलाएं वर्क फ्रॉम होम करती हैं, उनके लिए दिन व्यस्तता से भरा रहेगा, लेकिन शाम का समय आपको सुकून देगा

वृष राशि–

आज का दिन आपके लिए नई उमंग लेकर आया है। आज आपको कोई ऐसी चीज मिलेगी जिसकी चाह आपको काफी दिनों से थी। आज आप काम को लेकर काफी एक्साइटेड रहेंगे,

मिथुन राशि–

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज काफी दिनों से रुका हुआ महत्वपूर्ण काम पूरा हो जाएगा, जिससे आपके अंदर उत्साह रहेगा।

कर्क राशि–

आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते भी मजबूत बनेंगे।

सिंह राशि–

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति से आप जीवन की कुछ महत्वपूर्ण बातें सीखेंगे,

कन्या राशि–

आज का दिन आपके लिए अच्छा बदलाव लाया है। यह बदलाव आपके काम को लेकर या करियर को लेकर हो सकता है।

तुला राशि–

आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपको संतान की तरफ से खुशखबरी सुनने को मिल सकती है,

वृश्चिक राशि–

आज का दिन आपके लिए फेवरेबल है। आज आप पेंडिंग कार्यों को करने में सफल रहेंगे, जिससे आप आगे के प्लान भी तैयार कर पाएंगे।

धनु राशि–

आज का दिन आपके लिए मिला–जुला रहेगा। आज आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर राशि–

आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज व्यापार में लाभ के साथ–साथ परिश्रम की अधिकता बनी रहेगी।

कुंभ राशि–

आज का दिन आपके लिए शानदार बना रहेगा। आज किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है

मीन राशि–

आज का दिन आपके लिए बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज आपके मन में नए–नए विचार आएंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे।

मणिपर्वत के झूला मेले में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

अयोध्या। मणिपर्वत पर सावन के पवित्र महीने में लगा झूला मेला श्रद्धालुओं के सैलाब से गूंज उठा। 15 अगस्त की छुट्टी के दिन दूर–दूर से आए भक्तों ने इस पारंपरिक उत्सव में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। मणि पर्वत की हरियाली के बीच रामलला को झुलाने का यह अनूठा आयोजन आस्था और उल्लास का अद्भुत संगम बन गया। योगी सरकार के निर्देशन में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक–चौबंद रखी गई। जगह–जगह यातायात डायवर्जन लागू किया गया ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की कड़ी निगरानी में मेला सुचारू रूप से संपन्न हुआ। भक्तों ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था इतनी व्यवस्थित थी कि बड़े उत्सव के बावजूद कहीं भी अव्यवस्था नहीं दिखी। मणिपर्वत पर विशेष रूप से सजाया गया झूला मेला सावन की परंपरा का जीवंत प्रतीक बन गया। हरे–भरे परिवेश में रामलला के दर्शन कर श्रद्धालु भावविभोर हो रहे थे। झूले पर सवार भगवान के स्वरूप को श्रद्धालु झूला झुला रहे थे। इस दौरान विभिन्न मंदिरों से मणिपर्वत पहुंचे भगवान के विग्रहों को भी झूला विहार कराया गया। कई भक्तों ने कहा कि सावन में भगवान को झुलाने का यह दृश्य मन को शांति और आनंद से भर देता है। मेले में आए श्रद्धालु न केवल झूला झूल रहे थे बल्कि रामलला को भी झुलाकर आशीर्वाद ले रहे थे। इस अवसर पर स्थानीय लोगों और बाहर से आए पर्यटकों ने भी उत्सव का आनंद लिया। कई परिवारों ने मिलकर झूला झूला और प्रसाद ग्रहण किया। वहीं श्रावण झूला मेले के अवसर पर अयोध्या के प्रमुख मंदिरों से भगवान के विग्रहों की 11 भव्य झांकियां निकाली गईं। श्रद्धालु इन झांकियों को लेकर मणि पर्वत पहुंचे, जहां पारंपरिक विधि–विधान के साथ भगवान को पेड़ों की डालियों पर सजे झूलों में झुलाया गया। इस दौरान पूरा मणि पर्वत क्षेत्र भक्ति और उल्लास से सराबोर रहा। मंदिरों से मणि पर्वत तक निकली झांकियों के दौरान ढोल–नगाड़ों और वाद्ययंत्रों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा। महिलाओं और श्रद्धालुओं ने पारंपरिक कजरी गीत गाकर भगवान को झूला झुलाया। झूला उत्सव की रस्म पूरी होने के बाद भगवान के विग्रहों को शोभायात्रा के साथ उनके–अपने मंदिरों में ले जाकर विधिवत पुनः विराजमान कराया गया। अयोध्या एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि यातायात को ध्यान में रखते हुए डायवर्जन किया गया है। अयोध्या के विभिन्न मंदिरों में भी झूला उत्सव की रौनक छाई हुई है। रामलला मंदिर सहित कई मंदिरों में भगवान को चांदी के पालने में झुलाया जा रहा है। श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर भगवान को स्वयं झुला रहे हैं और भक्ति भाव से भजन–कीर्तन कर रहे हैं। मंदिरों को झूला मेले के अवसर पर आकर्षक ढंग से सजाया गया है। फूलों, झालरों और रंग–बिरंगी सजावट से रामनगरी का वातावरण और भी भक्तिमय हो उठा है।

सावन झूला मेला अयोध्या की सदियों पुरानी परंपरा है। यह उत्सव न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि सांस्कृतिक विरासत को भी जीवित रखता है। भक्तों का मानना है कि सावन में रामलला को झुलाने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख–शांति आती है। मणिपर्वत की हरियाली में झूलते रामलला का दृश्य देखने लायक था। श्रद्धालुओं की भीड़ में भक्ति का संचार साफ नजर आ रहा था। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि साफ–सफाई और पेयजल की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की तकलीफ न हो, इसका खास ध्यान रखा जा रहा है। सरयू तट पर चेंजिंग रूम के अलावा विभिन्न स्थलों पर अस्थाई टॉयलेट ब्लॉक के भी इंतजाम कराए गए हैं। हमारा प्रयास है कि 28 तक चलने वाले मेले से श्रद्धालु एक अच्छा अनुभव लेकर जाएं।

जिलाधिकारी अयोध्या शशांक त्रिपाठी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या डॉ. गौरव ग्रोवर ने मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जनपद में चल रहे मणिपर्वत मेला एवं श्रावण मास मेले के सकुशल आयोजन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अयोध्या पुलिस द्वारा किए गए सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधों का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने मेला क्षेत्र में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की स्थिति एवं निगरानी व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

रामभक्ति व राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर नजर आई अयोध्या

अयोध्या। जनपद में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमापूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मंडलायुक्त राजेश कुमार ने आयुक्त कार्यालय एवं कैंप कार्यालय में, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट परिसर एवं कैंप कार्यालय में तथा मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने विकास भवन में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के उपरांत अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। ध्वजारोहण के उपरांत मंडलायुक्त राजेश कुमार ने आयुक्त सभागार में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ संगोष्ठी में प्रतिभाग किया। संगोष्ठी में स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान तथा स्वतंत्रता के पश्चात भारत की विकास यात्रा पर विचार–विमर्श किया गया। मंडलायुक्त ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों एवं महापुरुषों के त्याग और बलिदान को सदैव स्मरण रखना हमारा दायित्व है। देश के नागरिकों के अथक परिश्रम, समर्पण और योगदान से भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास में प्रत्येक नागरिक को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समय के साथ चुनौतियां भी बदल रही हैं और हमें नई चुनौतियों का पूरी क्षमता के साथ सामना करना होगा। उन्होंने मोबाइल एवं आधुनिक तकनीक का सदुपयोग करने, बच्चों को अच्छे संस्कार देने तथा युवाओं में स्वरोजगार की भावना को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर मंडलायुक्त ने आयुक्त कार्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। वहीं, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने ध्वजारोहण के उपरांत अमर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित संगोष्ठी में प्रतिभाग किया गया, जिसमें अपर जिलाधिकारियों एवं कलेक्ट्रेट के अधिकारियों–कर्मचारियों ने स्वतंत्रता आंदोलन एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता सेनानी के परिजन श्रीमती शांति देवी सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र वातावरण में स्वतंत्रता दिवस का पर्व हर्षोल्लास के साथ मना रहे हैं। उनके बलिदान को सदैव स्मरण रखना और उनके आदर्शों से प्रेरणा लेना हम सभी का दायित्व है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ करें, ताकि आमजन को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं तथा न्याय उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए तथा स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम का संचालन कौशल श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर योगानंद पांडे, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विशु राजा, मुख्य राजस्व अधिकारी गजेंद्र, नगर मजिस्ट्रेट संजीव उपाध्याय, उप जिलाधिकारीगण सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं रामनगरी अयोध्या रामभक्ति और राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर नजर आई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन–पूजन कर देश की सुख–समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में जय श्रीराम के उद्घोष के बीच तिरंगा शान से लहराया और राष्ट्रगान गूंजा। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में दो स्थानों पर ध्वजारोहण हुआ। श्रद्धालु सुविधा केंद्र के सामने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी महंत दिनेन्द्रदास ने तिरंगा फहराया। वहीं शेषावतार मंदिर के पास पुलिस विभाग की ओर से क्षेत्राधिकारी महेंद्र शुक्ला ने ध्वजारोहण कर सलामी दी। इस दौरान रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। मंदिर परिसर की भव्यता और तिरंगे की शान ने माहौल को खास बना दिया। इसी तरह गायत्री पब्लिक स्कूल रेवतीगंज में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चौकी इंचार्ज हैरिंग्टनगंज शेखर नाथ सिंह ने दर्जनों लोगों की उपस्थिति में प्रबंधक उमा शंकर शुक्ल , समाजसेवी राजू दूबे और मंगेश मणि त्रिपाठी के साथ संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया और तिरंगे को सलामी दी। सरस्वती पूजन और आजादी के बीर सपूतों की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद बच्चों ने परेड निकालने के साथ देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत विजयी भव, वंदे मातरम, रंग दे बसंती चोला आदि दर्जनों कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों को याद कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रधानाचार्या शिखा दूबे और प्रभा शंकर शुक्ल ने अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम का संचालन अमन पाण्डेय और निधि ने किया।

मणि महोत्सव में प्रभु राम से जुड़े भजन व कजरी पर झूमे श्रोता

अयोध्या। श्रावण शुक्ल तृतीया पर मणि पर्वत पर आयोजित होने वाले परंपरागत मेले में रविवार को सांस्कृतिक संध्या के रूप में मणि महोत्सव का आयोजन किया गया। भजन, राष्ट्रगीत और कजरी की शानदार प्रस्तुतियों ने देर शाम तक माहौल को भक्ति और संगीत से सराबोर रखा। महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त जयेन्द्र कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत शास्त्रीय गायक पंडित सत्यप्रकाश मिश्र ने राष्ट्रीय ख्याति के गीत श्जहां डाल–डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा, वह भारत देश है मेराश् की प्रस्तुति से की। इसके बाद उन्होंने एक–एक कर भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। गायक दीपक शुक्ल ने श्शंकर तेरी जटा से बहती है गंगधारा भजन प्रस्तुत कर शिव भक्ति का रंग घोल दिया। वहीं बृजमोहन तिवारी ने अपनी सुमधुर आवाज में कजरी कैसे खेले जयबू सावन मां कजरियाश् सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। चंद्रशेखर तिवारी ने राम भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में पार्षद विनय जायसवाल, चंदन सिंह, अनिकेत यादव, हरिश्चंद्र अग्रहरि, कार्यक्रम संयोजक भवानी प्रसाद त्रिपाठी, श्रीनिवास शास्त्री, मिथिला बिहारी दास, कथावाचक आचार्य ज्ञानचंद द्विवेदी, आदित्य दुबे, समर बहादुर सिंह, विजय सिंह, अवनीश दुबे और ओम प्रकाश दुबे सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रानी अवंतीबाई के शौर्य व बलिदान को किया नमन

अयोध्या। समाजवादी पार्टी कार्यालय लोहिया भवन, गुलाबबाड़ी में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन निवर्तमान जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव के नेतृत्व में किया गया। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने रानी अवंतीबाई लोधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा नेता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद कुमार लोधी ने कहा कि रानी अवंतीबाई लोधी ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जिस साहस और वीरता के साथ संघर्ष किया, वह देश के इतिहास में सदैव प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने कहा कि वीरांगना का जीवन समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने तथा अन्याय के सामने न झुकने की प्रेरणा देता है। रहेगा। सपा के निवर्तमान प्रवक्ता लवलेश पांडेय ने बताया कि इस अवसर पर बाबूराम गौड़, एडवोकेट विनोद कुमार लोधी, पूर्व प्रधान अलगू प्रसाद, घिराऊ प्रसाद लोधी, सेक्टर अध्यक्ष विवेक कुमार लोधी, एडवोकेट प्रभाकर लोधी, गायक विशाल राजपूत, एडवोकेट रोहित राजपूत, गायक नितिन राजपूत, दान बहादुर सिंह, घनश्याम यादव, जिला सचिव राकेश चौरसिया, जिला सचिव सीताराम यादव, जिला सचिव अंसार अहमद, रामबरन यादव, सरोज यादव, बृजेश सिंह चौहान, पूजा वर्मा, समर पाल सिंह यादव सहित जिला कमेटी के पदाधिकारी, पार्टी के वरिष्ठ नेता, महिला कार्यकर्ता, युवा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अटल स्मृतियों में जीवंत, विचारों में अमर पुण्यतिथि पर अर्पित की गई श्रद्धांजलि

अयोध्या। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने जिला पंचायत कार्यालय परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र के प्रति योगदान को याद किया गया। इस दौरान विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के ऐसे नेता थे, जिन्होंने अपने विचारों और कार्यशैली से अलग पहचान बनाई। उनके नेतृत्व में देश ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रगति की। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व व्यापक था। उन्होंने लोकतांत्रिक परंपराओं और संसदीय मर्यादाओं को हमेशा महत्व दिया। उनकी स्वीकार्यता सभी वर्गों में रही। जिला पंचायत प्रशासक रोली सिंह ने कहा कि अटल जी ने सार्वजनिक जीवन में शुचिता और मर्यादा के मानदंड स्थापित किए। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि अटल जी ने भाजपा को वैचारिक और संगठनात्मक मजबूती दी।

इमामबाड़ा जवाहर अली खां में निकला कदीमी अमारी का जुलूस

अयोध्या। इमामबाड़ा जवाहर अली खा में अशफाक हुसैन जिया के संयोजन में निकला कदीमी अमारी का जुलूस , अमारी की संचालन जीशान आजमी (लखनऊ) ने किया। अमारी से पहले मजलिस मौलाना मो0 मोहसिन साहब ने पढ़ी व संचालन हामिद जाफर मीसम ने किया, मजलिस समाप्ति पर कदीमी अमारी का जुलूस जीशान आजमी के संचालन में निकाला गया, जुलूस में बशीर की भूमिका में ऊंट पर बैठकर साहिल कलापूरी ने मदीने वालों मदीना उजड़ गया सारा पढ़ा , चाचा भतीजे की बातचीत मंसूब और कुमेल आबदी ने पढ़ी, मुसाफिराने मुसीबत वतन में आते हैं।

युवक का हाथ काटने में तीन गिरफ्तार

गोसाईंगंज–अयोध्या। गोसाईंगंज कोतवाली इलाके के लँगडातर गांव में बीते गुरुवार की रात में मामूली विवाद में एक युवक का हाथ काटकर उठा ले जाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपितों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया,जबकि एक नामजद आरोपी अभी भी फरार है,पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।एसपीआर बलवंत चौधरी के मुताबिक पकड़े गए आरोपितों की पहचान प्रकाश पुत्र स्व0कुमारे, गौतम पुत्र रामबृक्ष व पिंटू पुत्र प्रकाश सभी निवासी लँगड़ातर कोतवाली गोसाईंगंज अयोध्या के रूप में हुई। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त 2अदद हंसिया,1 मोटरसाइकिल व युवक का कटा हाथ भी बरामद कर लिया। पुलिस ने तीनों आरोपितों को न्यायालय रवाना कर दिया जंहा से जेल भेज दिया गया। बताते चले कि बीते गुरुवार को रात्रि में लँगडातर गांव में दीनानाथ पुत्र मुन्नालाल हाथ कुछ लोगो ने काट लिया था। मामले में पिता की तहरीर पर चार युवकों के खिलाफ केस दर्जकर पुलिस तलाश में जुटी हुई थी। तहरीर के मुताबिक कुछ दिन पूर्व दीनानाथ के पुत्र आदित्य से गांव के ही गौतम का विवाद हो गया था।जिसमे दीनानाथ ने गौतम को एक तमाचा मार दिया था।गौतम ने दीनानाथ को हाथ काटने की धमकी भी दी थी। मामला को कई दिन बीत जाने के बाद दीनानाथ निश्चिन्त हो गए परन्तु गौतम के अंदर प्रतिशोध की ज्वाला भड़क रही थी। गुरुवार की देर शाम गौतम अपने साथी पिंट,प्रकाश व कलंदर के साथ मिलकर दीनानाथ को शराब व गांजा पिलाया।

स्वतंत्रता अधिकार के साथ दायित्वबोध भी, इसलिए स्वच्छंद नहीं हो सकती कृष्णचंद्र

अयोध्या। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साकेतपुरी देवकाली स्थित संघ निवास साकेत निलयम प्रांगण में प्रातः 8 बजे 80 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह आमंत्रित मुख्य अतिथि श्रमिक सतीश द्वारा महानगर संघ चालक प्रो विक्रमाप्रसाद एवं नगर संघ चालक डी सी टंडन के साथ संयुक्त रूप से ध्वजारोहण के साथ सुरक्षाबल के जवानों द्वारा सैन्य अभिनंदन एवं राष्ट्रगान गायन के साथ हुआ। उद्बोधनों की पंचामृतम आधारित प्रस्तावना में तिरंगे के केसरिया रंग अर्थात अनुभव ज्ञान देने वाली पितृपीढ़ी, श्वेत रंग शांति समरसता की युवा पीढ़ी, हरे रंग अर्थात हरियाली,कृषि, श्रम एवं निर्माण को समर्पित श्रमिक, किसान, नीले रंग चक्र अर्थात समस्त सृजन एवं शक्ति की निरंतरता– नारी , एवं स्वाधीनता से पूर्व से अबतक अपने प्राण– प्रण से रक्षा में तत्पर भारतमाता के सपूतों के रक्त रंग के समन्वय से पंच परिवर्तन आधारित प्रेरणा प्रस्तुत हुई। जिसके बाद मुख्य वक्ता प्रोफेसर विक्रमा प्रसाद पांडेय ने कहा 80 वें वर्ष में प्रवेश के साथ। स्वतंत्रता दिवस पर उपस्थित तीनों पीढ़ियों को एकसाथ देखना सुखद है, हमारे लिए यह जितना आत्मगौरव का विषय है उतना ही आत्मावलोकन का अवसर भी। वरिष्ठ प्रचारक जगदीश, कार्यालय प्रमुख कृष्णचंद्र, बौद्धिक प्रमुख मनोज,पीयूष एवं विभाग बौद्धिक टोली सदस्य कमल द्वारा समारोह में उपस्थित मातृशक्ति वंदन के साथ 70 वर्ष से अधिक आयुवर्ग की पितृपीढ़ी के रामचेत मिश्र, शिव प्रसाद पांडेय, कैलाशनाथ श्रीवास्तव, पूर्व सैनिक अशोक पांडेय, रामचंद्र जायसवाल को श्रीफल एवं अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया। इसी के साथ समाज एवं राष्ट्र निर्माण में कृषि –बागवानी, नाई, बढ़ई,पलंबर, बिजली, राजगीर, मिस्त्री जैसे कार्यों में श्रम दान करने वाले श्रमिकों को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित कर, माल्यार्पण अंगवस्त्र स्मृतिचिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। साहित्य वस्तु भंडार प्रमुख कमल ने समाज की युवा पीढ़ी को इतिहास के तथ्यों से प्रेरणा लेते राष्ट्रहित में हुए एकमत रहने की आवश्यकता बताई। कार्यवाह विश्वनाथ सिंह के गीत गायन के साथ, पूर्व सैनिक अशोक पांडेय, कैलाश श्रीवास्तव, रामचंद्र जायसवाल ने अपने विचार रखे। श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्य अतिथि श्रमिक सतीश ने अविभूत होते हुए कहा राष्ट्रपर्व पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम में श्रमिकों को इस तरह मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि बनाकर जो सम्मान दिया यह स्वयं में बड़ा संदेश है। हम अपने समाज के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे। अंत में सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यालय प्रमुख कृष्ण चंद्र ने कहा प्रबुद्धजनों के मंथन से स्पष्ट है कि हमारी युवा पीढ़ी से हमारा स्वस्थ संवाद होना चाहिए निश्चित रूप से स्वतंत्रता हमारा अधिकार है, किंतु इसके साथ ही दायित्व और कर्तव्य बोध भी आवश्यक है, यह स्वच्छंद नहीं होनी चाहिए । संचालन कर रहे डॉ उपेन्द्र मणि त्रिपाठी ने प्रस्तावना के साथ स्वतंत्रता से ही भाषा, भोजन, चिंतन, उद्योग, उपभोग, शिक्षण अभिव्यक्ति सभी में ष्स्वष् बोध के ष्तंत्रष् को बल देने के आह्वान के साथ उपस्थित जनों को डिजिटल पराधीनता से बचने का संकल्प दोहराया।

दबंगों के सामने नतमस्तक पुलिस, नहीं खुलवा सकी सार्वजनिक रास्ता

मिल्कीपुर–अयोध्या,। खंडासा थाना क्षेत्र अंतर्गत टिकटी गांव निवासी 77 वर्षीय चंद्रभान सिंह ने जिलाधिकारी योध्या एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर गांव के ही विपक्षी गुरुदीन के विरुद्ध सार्वजनिक रास्ता अवरुद्ध करने तथा मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है।पीड़ित बुजुर्ग ने जिलाधिकारी अयोध्या एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता चंद्रभान सिंह ने बताया कि उनके घर पर वे और उनकी वृद्धा पत्नी सावित्री उम्र करीब 75 वर्ष रहती हैं। बीमारी के कारण दोनों को आए दिन अस्पताल आना जाना पड़ता है। घर के सामने आने–जाने का सार्वजनिक रास्ता है, जिसे विपक्षीयों द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया है। जिसके कारण पीड़ित दंपति का घर से निकलना दूभर हो गया है। रास्ता अवरुद्ध करने व लड़ाई–झगड़ा तथा गाली गलौज की घटना उनके सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई है। पीड़ित चंद्रभान सिंह ने अपनी तहरीर में लिखा है कि वे और उनकी पत्नी उच्च रक्तचाप, शुगर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। विपक्षी गण उन्हें निरंतर मानसिक रूप से परेशान करते हैं। गाली–गलौज और धमकियां देते रहते हैं। यहां तक कि पुलिस के सामने भी उन्हें धमकी दी जाती है। पीड़ित का आरोप है कि मनबढ़ दबंगों से खंडासा पुलिस भी खौफ खाती है और कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। पीड़ित बुजुर्ग दंपति ने बताया कि आज पूरा देश स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, लेकिन आजादी के 79 वर्ष बाद भी उन्हें आजादी नहीं मिल रही है। दबंग और मनबढ़ लोग सार्वजनिक रास्ता रोककर सार्वजनिक आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। पीड़ित चंद्रभान सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कार्यवाही की मांग की है साथ ही सीनियर सिटीजन होने के नाते उनके साथ हो रहे उत्पीड़न पर प्रशासन की खामोशी पर सवाल खड़े किए हैं। पीड़ित दंपति ने बताया कि शिकायत के बाद भी खंडासा पुलिस विपक्षियों पर कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि सार्वजनिक रास्ते को तुरंत खुलवाया जाए, विपक्षियों पर कठोर कार्रवाई की जाए तथा बुजुर्ग दंपति को सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि वे निर्बाध रूप से अस्पताल आ–जा सकें और सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें।

उप निरीक्षक ज्योति विश्नोई,कांस्टेबल अमित कुमार,सचिन सोनकर,रि0का0 मोहित बाबू, नवनीत यादव,हो.गा. (चालक) अल्ताफ शामिल रहे।

सीतापुर। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सार्वजनिक अपमान किए जाने के आरोप के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से रविवार शाम करीब 7 बजे मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस स्थानीय गांधी पार्क (आंख अस्पताल) चौराहे से शुरू होकर अटल चौक (लालबाग चौराहा) तक पहुंचा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राष्ट्रगीत के सम्मान और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। मशाल जुलूस में भाजपा नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा समेत बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकारी अध्यक्ष अमन विक्रम सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व के कथित .त्य की कड़े शब्दों में निंदा की और भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। इस मौके पर भाजपा नेता अचिन मेहरोत्रा ने कहा कि 15 अगस्त पूरे देश के लिए गौरव और राष्ट्रीय पर्व का दिन है। देशवासी स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय भावना के साथ मनाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा जिस तरह का वन्देमातरम को बीच में रुकवाने का प्रयास किया गया है, उससे राष्ट्रप्रेमियों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' देशवासियों की पहचान और आन–बान–शान है। राष्ट्रगीत के प्रति किसी भी प्रकार का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा। मशाल जुलूस के माध्यम से कांग्रेस नेताओं को संदेश दिया गया है कि देश का प्रत्येक राष्ट्रप्रेमी अपने राष्ट्र के साथ मजबूती से खड़ा है।

दबंगों के सामने नतमस्तक पुलिस, नहीं खुलवा सकी सार्वजनिक रास्ता

मिल्कीपुर–अयोध्या,। खंडासा थाना क्षेत्र अंतर्गत टिकटी गांव निवासी 77 वर्षीय चंद्रभान सिंह ने जिलाधिकारी योध्या एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर गांव के ही विपक्षी गुरुदीन के विरुद्ध सार्वजनिक रास्ता अवरुद्ध करने तथा मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है।पीड़ित बुजुर्ग ने जिलाधिकारी अयोध्या एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता चंद्रभान सिंह ने बताया कि उनके घर पर वे और उनकी वृद्धा पत्नी सावित्री उम्र करीब 75 वर्ष रहती हैं। बीमारी के कारण दोनों को आए दिन अस्पताल आना जाना पड़ता है। घर के सामने आने–जाने का सार्वजनिक रास्ता है, जिसे विपक्षीयों द्वारा अवरुद्ध कर दिया गया है। जिसके कारण पीड़ित दंपति का घर से निकलना दूभर हो गया है। रास्ता अवरुद्ध करने व लड़ाई–झगड़ा तथा गाली गलौज की घटना उनके सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई है। पीड़ित चंद्रभान सिंह ने अपनी तहरीर में लिखा है कि वे और उनकी पत्नी उच्च रक्तचाप, शुगर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। विपक्षी गण उन्हें निरंतर मानसिक रूप से परेशान करते हैं। गाली–गलौज और धमकियां देते रहते हैं। यहां तक कि पुलिस के सामने भी उन्हें धमकी दी जाती है। पीड़ित का आरोप है कि मनबढ़ दबंगों से खंडासा पुलिस भी खौफ खाती है और कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। पीड़ित बुजुर्ग दंपति ने बताया कि आज पूरा देश स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, लेकिन आजादी के 79 वर्ष बाद भी उन्हें आजादी नहीं मिल रही है। दबंग और मनबढ़ लोग सार्वजनिक रास्ता रोककर सार्वजनिक आवागमन में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। पीड़ित चंद्रभान सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कार्यवाही की मांग की है साथ ही सीनियर सिटीजन होने के नाते उनके साथ हो रहे उत्पीड़न पर प्रशासन की खामोशी पर सवाल खड़े किए हैं। पीड़ित दंपति ने बताया कि शिकायत के बाद भी खंडासा पुलिस विपक्षियों पर कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि सार्वजनिक रास्ते को तुरंत खुलवाया जाए, विपक्षियों पर कठोर कार्रवाई की जाए तथा बुजुर्ग दंपति को सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि वे निर्बाध रूप से अस्पताल आ–जा सकें और सम्मानपूर्वक जीवन जी सके।

सियार के हमले ने उजाड़ दिया परिवार, पहले बेटे की मौत अब पिता ने भी तोड़ा दम

संदना/सीतापुर। सियार के हमले से घायल रघुनाथपुर तेंदुआ गांव निवासी पिता–पुत्र की मौत ने ग्रामीणों को झकझोर दिया। करीब एक सप्ताह पहले हुए हमले में गंभीर रूप से घायल बेटे की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। अब रविवार को उपचार के दौरान पिता राजपाल ने भी दम तोड़ दिया। एक ही परिवार में दो मौतों से गांव में मातम है, वहीं ग्रामीणों में वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर आक्रोश है। बताया गया कि सियार ने राजपाल और उनके पुत्र रघुवीर सिंह पर अचानक हमला कर दोनों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। हमले के बाद दोनों का उपचार चल रहा था। हालत बिगड़ने पर रघुवीर सिंह की तीन अगस्त को मौत हो गई। इसके बाद पिता राजपाल का उपचार जारी था, लेकिन रविवार को उनकी भी मौत हो गई। सूचना पर नायब तहसीलदार अजय सिंह, लेखपाल शिवम यादव, वन दरोगा अनिल कुमार यादव, कैलाशन चौकी प्रभारी मुकेश कुमार सिंह समेत पुलिस व वन विभाग की टीम पहुंची।

भीरानाथ बाबा मंदिर से गूंजा हर-हर महादेव, दसवीं शिव कांवड़ यात्रा रवाना

हरगांव/सीतापुर। हरगांव क्षेत्र के नरहरपुर स्थित भीरानाथ बाबा मंदिर से रविवार को दसवीं शिव कांवड़ यात्रा धूमधाम से छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ के लिए रवाना हुई। यात्रा का शुभारंभ राज्य कारागार मंत्री सुरेश राही ने विधिवत किया। स्वर्गीय नागेंद्र सिंह तोमर द्वारा शुरू की गई यह यात्रा अब उनके पुत्र समर बहादुर सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही है। यात्रा में जेसीबी, ट्रैक्टर–ट्रॉलियों, सैकड़ों मोटरसाइकिलों के साथ हजारों कांवड़िए पैदल शामिल हुए। चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष एके दीक्षित और कर्मचारियों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। डीजे की धुन पर कलाकारों ने शिव–पार्वती का रूप धारण कर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। इससे माहौल भक्तिमय हो गया। यात्रा में पूर्व एमएलसी राकेश सिंह, आदित्य सिंह, योगेंद्र सिंह, टीपी सिंह, दिनेश मिश्रा समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

चित्रकूट में आंतरिक स्वतंत्रता और ब्रह्मज्ञान के संदेश संग मुक्तिपर्व का भव्य आयोजन

चित्रकूट। संत निरंकारी सत्संग भवन बांदा से आए संत दिलीप सिंह (ज्ञान प्रचारक) की उपस्थिति में स्वतंत्रता दिवस पर मुक्ति पर्व के अवसर पर एक विशाल सत्संग का आयोजन किया गया।

इसी क्रम में मुक्ति पर्व का मुख्य आयोजन परम सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में दिल्ली स्थित निरंकारी सरोवर के समक्ष, ग्राउंड नं. 2, निरंकारी चौक, बुराड़ी रोड पर श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में आयोजित हुआ। विदेशों की विस्तृत कल्याणकारी प्रचार यात्रा के सफल समापन के लम्बे अंतराल के उपरांत सतगुरु के पावन दर्शन प्राप्त कर दिल्ली–एनसीआर सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालु भक्त भाव–विभोर हो उठे।

इस आयोजन में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने फरमाया कि सच्ची मुक्ति बाहरी बंधनों से नहीं, बल्कि नफरत, अहंकार, छोटी सोच और पूर्वाग्रहों से मुक्त होने में है। हर सांस में निराकार का एहसास रखते हुए प्रेम, भक्ति और स्वीकार्यता से जीना ही जीते–जी मुक्ति है।सतगुरु माता जी ने माता सविंदर जी के जीवन से प्रेरणा देते हुए लाइट हाउस का उदाहरण दिया कि परिस्थितियां कैसी भी हों, भीतर की शांति, प्रेम और सकारात्मकता की रोशनी सदैव कायम रखें। संतों की शिक्षाओं को केवल सुनना नहीं, बल्कि विचार, कर्म और जीवन में उतारना ही वास्तविक साधना और मुक्ति का मार्ग है।

इस पावन अवसर पर श्रद्धालु भक्तों ने उन महान संत विभूतियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए श्रद्धा–सुमन अर्पित किए, जिनके त्याग एवं समर्पण ने मानवता को मुक्तिमार्ग की ओर अग्रसर किया। साथ ही विश्वभर में मिशन की विभिन्न शाखाओं में भी 'मुक्ति पर्व' के अवसर पर विशेष सत्संग का आयोजन कर इन महान संत विभूतियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया।

उल्लेखनीय है कि 'मुक्ति पर्व' का आरम्भ वर्ष 1964 में जगत माता बुद्धवंती जी की पावन स्मृति में हुआ। वर्ष 1969 में शहनशाह बाबा अवतार सिंह जी के ब्रह्मलीन होने के उपरांत यह दिवस 'शहनशाह–जगतमाता दिवस' के रूप में श्रद्धापूर्वक आयोजित किया जाने लगा। वर्ष 1979 में संत निरंकारी मंडल के प्रथम प्रधान संत लाभ सिंह जी की स्मृति को भी इस दिवस से जोड़ते हुए बाबा गुरबचन सिंह जी ने इसे 'मुक्ति पर्व' के रूप में स्थापित किया। इस अवसर पर निरंकारी राजमाता जी के भक्तिमय जीवन तथा उनके द्वारा दी गई अनमोल सिखलाईयों का भी जिक्र किया।

वर्ष 2018 से युगनिर्माता माता सविंदर जी को भी इस पावन अवसर पर श्रद्धापूर्वक नमन किया जाता है, जिनका वात्सल्य, विनम्रता, त्याग और निष्काम सेवा से परिपूर्ण जीवन सदैव श्रद्धालु भक्तों के लिए प्रेरणा, मार्गदर्शन और आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत बना रहेगा। साथ ही, सतगुरु माता जी ने इस पावन दिवस को उन सभी अनन्य भक्तों एवं समर्पित सेवादारों के प्रति .तज्ञता और श्रद्धा अर्पित करने का अवसर बनाया, जिन्होंने अपने तन, मन और जीवन को निःस्वार्थ भाव से मिशन एवं मानवता की सेवा में समर्पित किया। निसंदेह मुक्ति पर्व का मूल भाव यही है कि जैसे भौतिक स्वतंत्रता राष्ट्र की प्रगति और उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है, वैसे ही ब्रह्मज्ञान की दिव्य ज्योति मानव को अपनी वास्तविक पहचान का बोध कराते हुए प्रेम एवं सद्भाव के पावन मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा प्रदान करती है।

कल्याण भारती इंटर कालेज में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

चित्रकूट। जनपद में शहर से लेकर गांव तक आजादी का जश्न स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शिक्षण संस्थाओं में संस्था प्रमुखों ने तिरंगा फहराया और देश की एकता अखंडता को बनाए रखने के लिए अपने कर्तव्य और दायित्वों का निर्माण बखूबी करने का संकल्प लिया। सुबह रिमझिम फुहारों के बीच कई विद्यालयों के नन्हे मुन्ने बच्चों ने बड़े ही उत्साह पूर्वक प्रभात फेरी निकाली। कल्याण भारती इंटर कॉलेज कर्वी में प्रधानाचार्य कल्पना राजपूत ने तिरंगा फहराया और सभी छात्रों शिक्षकों को देश की एकता बनाए रखने के लिए प्रतिज्ञा कराई। इसके पूर्व सभी बच्चों ने प्रभात फेरी निकाली जिसमें बच्चों ने अमर शहीदों की शान में नारे लगाये इसके बाद सांस्.तिक समारोह का आयोजन हुआ जिसमें छात्र–छात्राओं ने राष्ट्रीय गीत नाटक नशा उन्मूलन शिक्षा प्रेरित कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अरुण कुमार यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों के कार्यक्रम देखकर विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रबंधक शिक्षक शिक्षिकाओं की मेहनत को सराहा और कई बच्चों को पुरस्.त किया। अपर जिलाधि ाकारी ने कहा कि स्वराज तभी कायम रहेगा जब हम देश के प्रति समाज के प्रति निष्ठावान होकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करेंगे। हमें शिक्षा स्वास्थ्य के प्रति ध्यान देना है। बच्चों के भविष्य निर्माण में लगे रहना है। उन्होंने समाजसेवी विनोद केशरवानी सभासद शंकर यादव, विद्यालय की प्रध ाानाचार्या कल्पना राजपूत के प्रयासों की सराहना की। प्रधानाचार्य कल्पना राजपूत ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि बच्चों को पढ़ाई लिखाई की सामग्री समाजसेवी विनोद केशरवानी सभासद शंकर यादव द्वारा बांटी गई इससे बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने आगे भी इसी तरह विद्यालय के लिए सहयोग की अपेक्षा की। समाजसेवी विनोद केसरवानी ने कहा यह लगातार समाज के नवनिर्माण में योगदान कर रहे हैं उन्हें बच्चों व जरूरतमंदों की सेवा में ही आत्मिक संतुष्टि प्राप्त होती है। उन्होंने इस विद्यालय के गरीब परिवार के बच्चों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहने का संकल्प लिया।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार दो छात्रों की मौत

–दो अन्य घायल, रेफर

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के सुरौंधा पेट्रोल पंप के पास शनिवार की सुबह करीब आठ बजे स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में शामिल होने कालेज जा रहे दो छात्रों की सड़क हादसे में मौत हो गई। प्रयागराज की ओर से आ रहे तेज रतार ट्रेलर ने पीछे से छात्रों की बाइक में टक्कर मार दी। अनियंत्रित बाइक आगे चल रही दूसरी बाइक से जा भिड़ी। दोनों बाइक पर सवार चारों युवक सड़क पर गिर गए। इसी दौरान ट्रेलर ने सड़क पर गिरे दो छात्रों को कुचल दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी और आक्रोश का माहौल रहा। जानकारी के अनुसार अर्जुनपुर मजरा खंडेहा निवासी संदीप (20) पुत्र शिवशंकर और सुरौंधा निवासी रंजीत पासी (19) पुत्र अवधनरेश एक ही बाइक से पं. शिवकुमार त्रिपाठी इंटर कालेज मऊ में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। झांसी–मीरजापुर हाईवे पर सुरौंधा पेट्रोल पंप के पास पीछे से आए ट्रेलर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर आगे चल रही दूसरी बाइक से टकरा गई। दूसरी बाइक पर मऊ के भट्ठा निवासी संजय (25) पुत्र शिवलाल और रामसंवारे (40) सवार थे। दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े। इसी दौरान ट्रेलर की चपेट में आने से संदीप और रंजीत गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने सभी को सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों छात्रों को मृत घोषित कर दिया। संजय और रामसंवारे की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्रयागराज रेफर किया गया है।

जर्जर नहर पुल हादसे को दे रहा दावत, 'सिंचाई विभाग की लापरवाही कहीं ग्रामीणों की जान पर पड़ ना जाए भारी, आक्रोश

मीरजापुर(आरएनएस)। जिले के राजगढ़ विकास खंड क्षेत्र के लूसा ग्राम पंचायत में घाघर नहर पर बना पुराना पुल पिछले करीब पांच वर्षों से जर्जर हालत में है और अब टूटने के कगार पर पहुंच गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुल दोनों तरफ से फट चुका है, बावजूद इसके सिंचाई विभाग की ओर से पुल पर न तो बैरिकेडिंग की गई है और न ही भारी वाहनों का आवागमन रोकने के लिए कोई ठोस व्यवस्था की गई है। बताया जाता है कि उक्त पुल का निर्माण वर्ष 1947 से पहले अंग्रेजों के शासनकाल में कराया गया था। लंबे समय से मरम्मत न होने के कारण पुल की हालत लगातार खराब होती गई। वर्तमान में पुल की स्थिति इतनी जर्जर है कि भारी वाहनों के गुजरने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसके बावजूद पुल से भारी वाहनों का आवागमन जारी है। ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को भी इसी पुल से आवागमन करते देखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सिंचाई विभाग ने पुल के पास केवल चेतावनी बोर्ड लगाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली है। कई बार संबंधित अधिकारियों को पुल की बैरिकेडिंग कर आवागमन रोकने की सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण रमेश, दीना, गुड्डू, राजू, शिवम, महेश समेत अन्य लोगों ने बताया कि पुल की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि तत्काल पुल पर बैरिकेडिंग कर भारी वाहनों का आवागमन रोका जाए और नए पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे को रोका जा सके। इस संबंध में सिंचाई विभाग के एसडीओ उमेश दूबे ने बताया कि पुल का जल्द निर्माण कराने का प्रयास किया जाएगा।

आकाशीय बिजली से युवक की मौत

चित्रकूट। पहाड़ी कस्बा निवासी संतोष नामदेव (32) शनिवार की रात को बिजली गिरने से झुलस गया। जानकारी होते ही परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पहाड़ी निवासी पत्रकार अशोक नामदेव ने बताया कि उसका छोटा भाई नांदी चौराहे पर चाय पान की दुकान चलाता था। शनिवार की रात को दुकान बंद कर शौचक्रिया के लिए पास में ही एक खेत की ओर गया। वहीं पर बिजली गिरने से वह इसकी चपेट में आ गया। कुछ देर बाद स्वजन को पता चला। घटना के बाद कस्बे में शोक व्याप्त रहा। रविवार को पोस्टमार्टम कराया गया। पत्नी निहारिका और उसके दो पुत्र दो पुत्री का रो रोकर बुरा हाल रहा।

परिवार व्यवस्था को सुदृढ़ कर हिंदू समाज को संगठित करने का आह्वान

मीरजापुर। विश्व हिंदू परिषद काशी प्रांत की दो दिवसीय प्रांत योजना बैठक का समापन सुरभि शोध संस्थान रामबाग चुनार में रविवार को सम्पन्न हुआ। जिसमें आगामी छह माह की संगठनात्मक कार्ययोजना पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक को संबोधि ात करते हुए लखनऊ क्षेत्र के संगठन मंत्री गजेंद्र ने कहा कि भारतीय समाज की मूल शक्ति परिवार व्यवस्था है। इसे सुरक्षित एवं सुदृढ़ बनाए रखना आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। वर्तमान समय की चुनौतियों को देखते हुए समाज और शासन, दोनों स्तरों पर गंभीरता से समाधान के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवार प्रबोधन एवं पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण के लिए कार्यकर्ताओं को समाज के बीच जागरण अभियान चलाना होगा। ध ार्मांतरण और लव जिहाद जैसी चुनौतियों के प्रति हिंदू समाज को जागरूक और संगठित करने की आवश्यकता है। क्षेत्र संगठन मंत्री ने कहा कि श्रद्धेय अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी वर्ष के अवसर पर संगठन ने पूरे देश में एक करोड़ हित चिंतक बनाने का संकल्प लिया है। हिंदू समाज को संगठित करने, सनातन मूल्यों की रक्षा करने तथा राष्ट्रीय हित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को संकल्पित होकर कार्य करना होगा। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए कहा कि स्थापना दिवस, दुर्गा अष्टमी और गीता जयंती सहित विभिन्न कार्यक्रमों की समाज के सहयोग से व्यापक योजना बनाई जाए, ताकि इनके माध्यम से हिंदू समाज में जागरण और संगठन की भावना को मजबूत किया जा सके। उन्होंने पूज्य संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650 वीं जन्मशती के अवसर पर सामाजिक समरसता, समानता, आध यात्मिक चेतना और मानव मर्यादा के उनके संदेशों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने पर भी जोर दिया।बैठक में काशी प्रांत के 22 जिलों से 350 से अधिक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान सुरभि शोध संस्थान के संचालक सूर्यकांत जालान, क्षेत्र सत्संग प्रमुख दिवाकर नाथ त्रिपाठी, संयुक्त क्षेत्र सेवा प्रमुख राध ेश्याम, दुर्गावाहिनी प्रान्त सह संयोजिका शुभांगी, प्रांत अध्यक्ष कविंद्र प्रताप सिंह, प्रांत संगठन मंत्री राजेंद्र, प्रांत मंत्री डॉ. राज नारायण सिंह, प्रांत उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, विद्या भूषण, कमला मिश्रा एवं विनोद अग्रवाल, प्रांत सह मंत्री सत्य प्रकाश सिंह एवं प्रभृति कांत, काशी प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख नरसिंह त्रिपाठी, दुर्गा वाहिनी संयोजिका दिव्या सहित विभाग संगठन मंत्री अमित पाठक, चुनार जिलाध्यक्ष दिनेश प्रकाश, मिर्जापुर जिलाध्यक्ष माता सहाय,जिला मंत्री चुनार कृष्ण गोपाल,जिला मंत्री मिर्जापुर कृ ष्ण,जिला कोषाध्यक्ष नारायण राठी, नगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, जिला संयोजक अर्जुन मौर्या, जिला धर्म प्रसार प्रमुख अभिषेक बजरंगी, विभाग संयोजक प्रवीण मौर्य, रामासरे, विकास, पंकज, अभय, विकास, वंशीधर, राजकुमार गुप्ता, माध व पांडेय सहित अन्य पदाधि ाकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान काशी प्रांत से चित्तौड़ प्रांत के संगठन मंत्री बनाए गए नितिन भारत का प्रांत के पदाधि ाकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वागत एवं अभिनंदन किया।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तिकी बीएचयू में हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

लालगंज, मीरजापुर। थाना क्षेत्र में वाराणसी–रीवा राष्ट्रीय मार्ग पर बसही गांव के पास बीते गुरुवार की शाम तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर हो गई थी। जिसमें गंभीर रूप से घायल युवक की बीएचयू में इलाज के दौरान रविवार कोध दोपहर में मौत हो गई। युवक की पहचान लालगंज थाना क्षेत्र के बसही कलां गांव निवासी नईम अहमद के 38 वर्षीय पुत्र शकील अहमद के रूप में हुई है। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। शव का पोस्टमार्टम होने के बाद देर शाम परिजन घर लेकर पहुंचे। मौत की खबर से पूरे गांव में मातम पसर गया। बीते गुरुवार के क्षेत्र के पतुलकी–छाहुर गांव में किसी काम से नईम अहमद गया हुआ था, देर शाम वापस लौटते समय राष्ट्रीय मार्ग पर तीव्र गति से सामने से आ रहे दूसरे बाइक में आमने–सामने टक्कर हो गई थी। दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायल शकील को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद शकील को मीरजापुर ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया था। वहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बीएचयू ट्रामा सेंटर भेज दिया, जहां शकील की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। शकील की मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। मृतक को तीन बेटियां और एक बेटा है। एक बेटी की शादी हुई है।

संयुक्त जिला चिकित्सालय में मनाया गया श्रमदान दिवस

चित्रकूट। संयुक्त जिला चिकित्सालय में श्रमदान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सहित चिकित्सालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने–अपने कार्यस्थलों की साफ–सफाई में श्रमदान किया। श्रमदान के दौरान चिकित्सालय परिसर, कार्यालयों एवं कार्यस्थलों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छ एवं व्यवस्थित कार्यस्थल बनाए रखने का संकल्प लेते हुए स्वच्छता को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वच्छतापूर्ण वातावरण से मरीजों एवं उनके तीमारदारों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। उन्होंने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों से चिकित्सालय परिसर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने का आह्वान किया।

डीएम-एसपी ने 90 ग्राम चौकीदारों को बांटी साइकिलें

चित्रकूट। 80वें 'स्वतंत्रता दिवस' के अवसर पर डीएम पुलकित गर्ग व एसपी अरुण कुमार सिंह ने अपर पुलिस अध ाीक्षक पीयूषकांत राय की उपस्थिति में जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से ग्राम चौकीदारों को साइकिलें वितरित की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ग्राम चौकीदार गांव की प्रथम सुरक्षा पंक्ति हैं। वे रात दिन चौकसी करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण, सूचना संग्रहण तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साइकिलों के वितरण से उनकी गतिशीलता बढ़ेगी। जिससे वे बड़े क्षेत्रों में तेजी से गश्त लगा सकेंगे और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित प्रतिक्रिया दे सकेंगे। कार्यक्रम में कुल 90 ग्राम चौकीदारों को साइकिलें प्रदान की गईं। पुलिस अधीक्षक ने सभी ग्राम चौकीदारों को साइकिलों का उचित रखरखाव करने तथा इन्हें केवल ड्यूटी के दौरान ही उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जिला पुलिस भविष्य में भी ग्राम चौकीदारों की सुविध ाा एवं क्षमता वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

यह जानवरों का बसेरा है या सामुदायिक भवन

मड़िहान, मीरजापुर। पंचायतों में श्सामुदायिक भवनश के निर्माण से लेकर उसके रख–रखाव पर सरकार लाखों रुपए पानी की तरह बहाती आई है, लेकिन सामुदायिक भवनों की मौजूदा स्थिति देखकर कहीं–कहीं रोना आता है। जहां साफ सफाई व्यवस्था से लेकर अन्य व्यवस्थाएं पूरी तरह से नदारत और दुर्व्यवस्था की भेंट चढ़ चुकी हैं। जहां एक पल बैठना तो दूर उसे और झांकना भी लोग मुनासिब नहीं समझते हैं, लेकिन इस विवशता ही कहा जाएगा कि जैसे तैसे काम चलाया जा रहा है और कागजों में सबकुछ चकाचक दिखाया जा रहा है। कुछ ऐसी ही तस्वीरें सामने आई हैं मड़िहान तहसील क्षेत्र से जहां विकास की गंगा बहाने के दावे से थका नहीं जाता है। मड़िहान तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा गोपालपुर में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को शिक्षा देने के लिए संचालित सामुदायिक भवन बदहाली का शिकार है। टूटे गेट, जर्जर बरामदें, खराब और गंदगी से पटे शौचालय और चारों तरफ लगे कचरे के ढेर ने बच्चों की सुरक्षा और सेहत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। छोटे बच्चों और बच्चियों को शौचालय जाने में भारी परेशानी हो रही है। गंदगी और कचरे से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि भवन की देखरेख न अधिकारी कर रहे हैं और न ही सफाई कर्मी सबकुछ भगवान भरोसे चल रहा है। इसका अंदाजा तस्वीरों को देख भी लगाया जा सकता है। कचरा खुले में फैंकने के बजाए डस्टबिन में रखने के लिए रखा गया डस्टबिन भी सामुदायिक भवन के पास न होकर झाड़ियों और घांस–फूस के बीच पड़ा है। ग्रामीणों ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन का नारा यहां महज दिखावा साबित हो रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सफाई, शौचालय की मरम्मत और भवन की व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि नौनिहालों को सुगम सुरक्षित सेहत और वातावरण मिल सकेध।

समाजवादियों ने जयन्ती पर वीरांगना अवंतीबाई लोधी को किया नमन्न

बस्ती। रविवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में स्वतंत्रता सेनानी वीरांगना अवंतीबाई लोधी को उनकी जयंती पर याद किया गया। समाजवादियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर योगदान पर चर्चा किया। सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि अवंतीबाई लोधी ने आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका निभाई । उनका जन्म 16 अगस्त 1831 को मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के मनकेहनी नामक गांव में हुआ था। ऐसी वीरांगना का देश की सभी नारियों और पुरुषों को अनुकरण करना चाहिए और उनसे सीख लेकर नारियों को विपरीत परिस्थितियों में जज्बे के साथ खड़ा रहना चाहिए और जरूरत पड़े तो अपनी आत्मरक्षा व अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए वीरांगना का रूप भी धारण करना चाहिए। कहा कि भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों में रानी अवंतीबाई लोधी का प्रमुख स्थान है। उनके जीवन से देशवासियों को प्रेरणा लेनी चाहिये।सपा नेता समीर चौधरी, सौरभ मिश्र 'शनि', राम सिंह यादव, मो. स्वालेह आदि ने वीरांगना अवंतीबाई लोधी के योगदान पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि वीरांगना अवंतीबाई का व्यक्तिगत जीवन जितना पवित्र, संघर्षशील तथा निष्कलंक था, उनकी मृत्यु 'बलिदान' भी उतनी ही वीरोचित थी। धन्य है वह वीरांगना जिसने एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत कर 1857 के भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में अंग्रेजों से लोहा लेते हुये 20 मार्च 1858 को अपने प्राणों की आहुति दे दी।वीरांगना अवंतीबाई लोधी को 196वीं जयंती पर नमन् करने वालों में मुख्य रूप से जावेद पिण्डारी, राहुल सिंह, प्रशान्त यादव, दिनेश तिवारी, राजेश यादव, मध ुबन यादव, यदुराम यादव, युनुस आलम, दाउद खान, डा. देवेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, पूर्व विधायक राम जियावन, तूफानी यादव, जोखूलाल, बब्लू, दुर्गेश यादव, रजवन्त यादव, रामभवन यादव, अरविन्द यादव, अशोक यादव, चन्द्रभान, अखिलेश यादव, दीपक आर्या, राजू चौहान, नन्दलाल यादव, जुनैद अहमद, शकील अंसारी, लालमन यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधि ाकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

सबमर्सिबल पंप बनाने के दौरान करंट लगने से युवक की गई जान, परिवार में मचा कोहराम

मीरजापुर। जिले के जमालपुर थाना क्षेत्र के सहेवा गांव निवासी 30 वर्षीय राजमिस्त्री रिंकू बियार उर्फ महेश की सबमर्सिबल लगाने के दौरान उसमें उतर रहे करंट की चपेट में आ जाने से चंदौली जिले के सिंघीताली में मौत हो गई। युवक की मौत की जानकारी होने पर परिजन घटना स्थल के लिए रवाना हो गए।अलीनगर थाने की पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था एवं शनिवार को सिंघीताली फेज दो में बन रहे नई कंपनी में काम करने गया हुआ था। उसकी पत्नी सविता, पिता श्यामलाल बियार एवं माता राधिका बेसुध हो गई।मृतक को चार पुत्रियां संध्या, श्वेता, साक्षी, राधा एवं एक पुत्र अंश है। सबसे बड़ी पुत्री की उम्र लगभग 12 वर्ष है। मृतक युवक राजमिस्त्री का काम कर अपने परिवार का पालन करता था एवं उसकी मौत से बच्चों के उपर से पिता का साया छिन गया।

पुलिस कर्मियों के लिए बने जिम का हुआ उद्घाटन

चित्रकूट। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डीएम पुलकित गर्ग ने पुलिस लाइन में पुलिस कर्मियों के लिए बने जिम का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के उपरांत उपस्थित पुलिस कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस कर्मी दिन रात जनसेवा और कानून व्यवस्था में लगे रहते हैं। ऐसे में उनका फिट रहना अत्यंत आवश्यक है। यह जिम पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ–साथ तनाव कम करने में भी मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि ष्स्वतंत्रता दिवस देश सेवा का संकल्प दोहराने का दिन है। स्वस्थ पुलिसकर्मी ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। शासन की मंशा भी यही है कि पुलिस बल शारीरिक रूप से सक्षम और चुस्त–दुरुस्त रहे। ताकि वे किसी भी चुनौती का सामना बेहतर ढंग से कर सकें। एसपी अरुण कुमार सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिम का उद्घाटन होना पुलिस परिवार के लिए गर्व की बात है।

संगठन सृजन बैठक के दौरान कार्यालय घेरने पहुचे भाजपा नेताओं ने कांग्रेसिया ने दौड़ा लिया

बस्ती। विधान सभा चुनाव 2027 में नए जोश के साथ कांग्रेस ने मैदान में उतरने के लिए अभी से ही अपनी तैयारी तेज कर दी है। प्रदेश के सभी जिलों में कांग्रेस संगठन सृजन अभियान 25 अगस्त तक चलेगा। रविवार को कांग्रेस कार्यालय पर चल रहे संगठन सृजन अभियान के दौरान उस समय अजीब स्थिति उत्पन्न हो गई जब भाजपा के कुछ नेताओं ने कांग्रेस कार्यालय घेरने की कोशिश किया। फिर क्या था कांग्रेस नेता बाहर निकल आये और भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं को उल्टे पांव भागना पड़ा। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया उसके बाद बैठक पुनः शुरू हुई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में एआईसीसी पर्यवेक्षक चंदन यादव, पीसीसी पर्यवेक्षक डा. आर.पी. त्रिपाठी, जयकरन वर्मा, नवीन सिन्हा के नेतृत्व में एक टीम ने कार्यकर्ताओं से संवाद किया। बताया कि संगठन में युवा, ऊर्जावान, सक्रिय और जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को अवसर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है। पर्यवेक्षक टीम अगले आठ दिनों तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों ब्लाक और बूथों का दौरा करेगी। इस दौरान वे वरिष्ठ नेताओं, युवाओं, महिलाओं और नए कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करेंगे।

फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने उल्लास के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

बस्ती। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम मंडल कार्यालय, रेड स्टार हॉस्पिटल, नारंग रोड, जिगिना चौराहा में जिला अध्यक्ष गिरिजेश सेन की अध्यक्षता और सिद्धार्थ सिंह श्रीनेत के संयोजन में हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया।कार्यक्रम में मण्डल अध्यक्ष प्रमेन्द्र कुमार, जिला अध्यक्ष गिरिजेश सेन, मण्डल उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद एवं जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह श्रीनेत द्वारा संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर रेड स्टार हॉस्पिटल के स्टाफ द्वारा सभी पदाधि ाकारियों एवं उपस्थित सदस्यों का बैच लगाकर स्वागत किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया गया तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया।कार्यक्रम के उपरांत संगठन की बैठक आयोजित की गई, जिसमें फार्मासिस्टों के हितों, उनकी समस्याओं तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने–अपने विचार व्यक्त करते हुए इस बात पर जोर दिया कि फार्मासिस्टों को कार्यस्थल पर किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े तथा पीपीआर को प्रभावी रूप से लागू कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं।

डीएम ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्ट्रेट में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

चित्रकूट। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डीएम पुलकित गर्ग ने सर्वप्रथम अपने राजकीय आवास तत्पश्चात कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण किया। इस दौरान राष्ट्रीय गान एवं राष्ट्रीय गीत का सस्वर गायन किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान सेनानियों एवं विभूतियों को नमन किया। डीएम ने कहा कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और इस वर्ष का आयोजन देश की युवा ऊर्जा को समर्पित है। उन्होंने कहा कि देश में 35 वर्ष से कम आयु के लगभग युवा हैं। जिनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण देश की प्राथमिकता है। उन्होंने राष्ट्रगीत की पंक्तियों 'सुजलाम् सुफलाम्' की विस्तृत व्याख्या करते हुए उपस्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कर्वी की अध्यापिकाओं को निर्देश दिए कि वे छात्राओं को वंदे मातरम के अर्थ व मर्म से अवगत कराएं।

विजडम इण्डिया R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608 हिन्दी दैनिक समाचार पत्र लखनऊ, मंगलवार 18 अगस्त 2026 sheelshukla100@gmail.com

रोनाल्डो और जार्जिना की शादी की पहली झलक आई सामने

नई दिल्ली ,। दुनिया के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और उनकी लंबे समय से पार्टनर रहीं जॉर्जिना रोड्रिगेज आखिरकार शादी के बंधन में बंध गए हैं। अपनी निजी जिंदगी को हमेशा सुर्खियों से दूर रखने वाले इस स्टार कपल की शादी की पहली तस्वीरें अब फैशन मैगजीन ङ्कशद्दह्वद्ग के जरिए सामने आई हैं। तस्वीरों में शादी के बेहद निजी और खास पलों की झलक देखने को मिली है।

रोनाल्डो और जॉर्जिना ने 11 अगस्त को पुर्तगाल के कास्केस स्थित अपने घर पर बेहद सादगीपूर्ण समारोह में शादी की। खास बात यह रही कि शादी की तारीख दोनों की पहली मुलाकात की 10वीं सालगिरह भी थी। दोनों की पहली मुलाकात मैड्रिड के एक गुच्ची स्टोर में हुई थी, जहां उस समय जॉर्जिना सेल्स असिस्टेंट के तौर पर काम करती थीं।कभी भव्य शादी का सपना देखती थीं जॉर्जिनाजॉर्जिना ने ङ्कशद्दह्वद्ग को दिए इंटरव्यू में बताया कि बचपन में उन्होंने अपनी शादी को बेहद भव्य अंदाज में करने का सपना देखा था। वह बड़े महल, शानदार बग्घी, लंबी शादी की पोशाक और हीरों से सजे मुकुट की कल्पना करती थीं।

हालांकि, समय के साथ उनकी प्राथमिकताएं बदल गईं। जॉर्जिना के मुताबिक अब वह अपने पार्टनर और बच्चों के साथ घर में ही एक निजी और अंतरंग समारोह चाहती थीं। उनका मानना है कि आलीशान घर, द्वीप, घोड़े और महंगी कारें उनके जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन परिवार के साथ निजी समय उनके लिए कहीं अधिक खास और दुर्लभ है।पांचों बच्चे बने शादी के गवाह

शादी समारोह बेहद छोटा रखा गया था। 11 अगस्त को दोपहर करीब 1रू30 बजे हुए इस समारोह में रोनाल्डो और जॉर्जिना के पांचों बच्चे मौजूद रहे। इसके अलावा केवल चार करीबी गवाहों को आमंत्रित किया गया था।इनमें रोनाल्डो के लंबे समय से दोस्त मिगुएल पैशो, जॉर्जिना की बहन इवाना रोड्रिगेज तथा उनके दोस्त जोस रोड्रिगेज सांगिल और मानिका गोंजालेज मार्टिनेज शामिल थे। शादी की पुष्टि खुद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर अंगूठियां पहने हुए दोनों की तस्वीर साझा कर की थी।

तस्वीरों में दिखा खास अंदाज

प्रसिद्ध फोटोग्राफर जुएर्गन टेलर ने शादी समारोह और उससे जुड़े खास पलों को कैमरे में कैद किया। सामने आई तस्वीरों में रोनाल्डो हल्के रंग के सूट और सफेद शर्ट में नजर आ रहे हैं, जबकि जॉर्जिना ने सफेद स्कर्ट–जैकेट और मैचिंग शर्ट पहनी है।शादी के बाद दोनों ने एक धार्मिक समारोह में भी हिस्सा लिया, जहां उनके रिश्ते को आशीर्वाद दिया गया। की तस्वीरों में जॉर्जिना अपने बच्चों के साथ भी दिखाई दे रही हैं। वहीं, पूल के किनारे चोपार्ड ज्वेलरी के साथ उनके ग्लैमरस अंदाज और शानदार जूता संग्रह की झलक भी देखने को मिली।

फुटबाल प्रेमियों की बढ़ी धड़कने, रोनाल्डो जल्द ले सकते है रिटायरमेंट, किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली ,। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने संकेत दिया है कि उनका शानदार फुटबॉल करियर मौजूदा सत्र के बाद समाप्त हो सकता है। रोनाल्डो ने स्वीकारा है कि यह श्संभवतरू खेल में उनका आखिरी साल्त्य है।41 वर्षीय खिलाड़ी का सऊदी प्रो लीग के क्लब श्अल–नस्त्र्य के साथ जून 2027 तक का करार है। पुर्तगाल के इस महानतम खिलाड़ी ने पहले ही कहा था कि वह रिटायरमेंट के करीब हैं, लेकिन अपने फुटबॉल करियर के लिए कोई निश्चित समय–सीमा नहीं बताई है। हालांकि, रविवार को श्वोगत्र्य के साथ एक इंटरव्यू में रोनाल्डो ने कहा कि वह शायद अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर पहुंच रहे हैं। रोनाल्डो ने श्वोगत्र्य को दिए इंटरव्यू में कहा, यह शायद फुटबॉल में मेरा आखिरी साल है। मैं एक शानदार विरासत छोड़ना चाहता हूं।पिछले साल नवंबर में, पांच बार श्बैलोन डीयओस्त्र्य जीतने वाले रोनाल्डो ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि वह श्एक या दो साल्त्य और खेलेंगे। महानतम फुटबॉलर ने इस बात पर जोर दिया था कि साल 2026 में वह अपना आखिरी फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। पिछले महीने स्पेन के खिलाफ श्राउंड ऑफ 16त्र्य में हार ने पुर्तगाल का सफर समाप्त कर दिया था। हालांकि, उस समय रोनाल्डो ने रिटायरमेंट की कोई निश्चित तारीख नहीं बताई थी, लेकिन उनकी हालिया बातों से संकेत मिलता है कि उनके खेलने के करियर का अंत अब काफी करीब हो सकता है। रोनाल्डो ने फुटबॉल के बाद की अपनी जिंदगी के बारे में सोचना शुरू कर दिया है। वह अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने और फुटबॉल के अलावा अपने अन्य शौक पूरे करने के लिए उत्सुक हैं।रोनाल्डो ने श्वोगत्र्य से कहा, मैंने अपने भविष्य की पूरी योजना बना ली है। मेरे पास व्यस्त रहने के लिए इतनी सारी चीजें हैं कि सिर्फ एक चीज बताना मुश्किल है, क्योंकि फुटबॉल एक बड़ी खाली जगह छोड़ सकता है, इसलिए आपको अपना समय अलग–अलग तरीकों से भरना होता है, न कि सिर्फ एक तरीके से। इसके साथ ही ज्यादा मजे करना, ज्यादा घूमना–फिरना, पैडल देखना और खेलनाकृजो मुझे बहुत पसंद है और जो मैंने कमाया हैकृजो हमने कमाया हैकृउसका आनंद लेना जारी रखना। क्योंकि आखिरकार, यह 25 साल का सफर रहा है जिसमें बहुत सारे त्याग शामिल हैं। रोनाल्डो ने 11 अगस्त 2026 को अपनी पार्टनर जॉर्जीना रोड्रिग्ज से शादी की थी, जिसके बाद उन्होंने अपने करियर को लेकर बड़ा बयान दिया है।

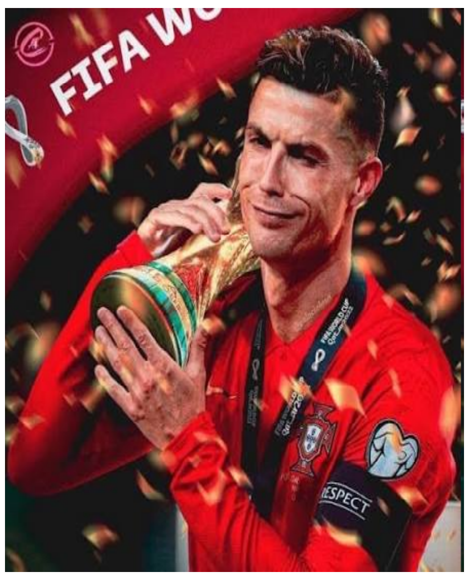

गाले टेस्ट् भारत के नाम रहा तीसरे दिन का पहला सेशन, लंच ब्रेक तक श्रीलंका ने 5 विकेट खोकर बनाए 99 रन

गाले ,। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच गाले इंटरनेशल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टेस्ट के तीसरे दिन का पहला सेशन पूरी तरह से भारतीय टीम के नाम रहा। लंच ब्रेक तक श्रीलंका ने भारत द्वारा पहली पारी में बनाए गए 462 रनों के जवाब में 5 विकेट खोकर 99 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए हैं। श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और निशान फर्नांडो बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। इसके बाद दिनेश चांदीमल भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 4 रन बनाकर मानव सुथार का पहला शिकार बने। लाहिरू कुमारा भी मानव की फिरकी में उलझकर रह गए और 27 रन बनाकर आउट हुए। कामिंदु मेंडिस को कुलदीप यादव ने 14 रनों के स्कोर पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल के हाथों कैच कराया। 59 के स्कोर पर 4 विकेट खोकर मुश्किल में दिख रही श्रीलंका की पारी को संभालने के इरादे से कप्तान धनंजय डी सिल्वा मैदान पर उतरे। उन्होंने सोनल दिनुशा के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 31 रन जोड़े। हालांकि, इस साझेदारी को जल्द ही रवींद्र जडेजा ने तोड़ दिया। जडेजा की घूमती गेंद को श्रीलंकाई कप्तान समझने में नाकाम रहे और केएल राहुल के हाथों में कैच देकर पवेलियन लौटे। पहले सेशन के खत्म होने तक दिनुशा 14 और निरोशन डिकवेला 8 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं।श्रीलंका अभी भी भारत के स्कोर से 363 रन पीछे है और टीम के महज 5 विकेट बचे हुए हैं। मेजबान टीम पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। भारत की ओर से गेंदबाजी में मानव सुथार 7 ओवर के स्पेल में 17 रन देकर 2 विकेट चटका चुके हैं, जबकि मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने एक–एक विकेट निकाला है। इससे पहले, दिन के पहले ओवर में असिथा फर्नांडो ने प्रसिद्ध कृष्णा को 2 रनों के स्कोर पर आउट करते हुए भारत की पहली पारी को 462 रनों पर समेटा।

सिनसिनाटी ओपन जैमे फारिया ने किया बड़ा उलटफेर, बेन शेल्टन को एकतरफा मुकाबले में दी शिकस्त

सिनसिनाटी ,। सिनसिनाटी ओपन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। पुर्तगाल के क्वालीफायर जैमे फारिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेन शेल्टन को शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही फारिया ने शेल्टन की लगातार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। फारिया ने एकतरफा मुकाबले में शेल्टन को 6–4, 6–4 से हराया। फारिया ने शेल्टन की धीमी शुरुआत का फायदा उठाया। शेल्टन पिछले हफ्ते मॉन्ट्रियल में मास्टर्स 1000 इवेंट जीतने के बाद अपना पहला मैच खेल रहे थे। यह जीत फारिया के करियर की टॉप 10 खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत है और इसने शेल्टन के लगातार छह मैचों की जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया है। दूसरे सेट में फारिया, शेल्टन से 1–4 से पीछे थे, लेकिन फिर उन्होंने लगातार पांच गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। शेल्टन के पास वापसी के कई मौके थे, लेकिन एटीपी स्टैट्स के अनुसार, वे फारिया के खिलाफ 12 में से सिर्फ 1 ब्रेक प्वाइंट ही भुना पाए। जीत के बाद फारिया ने कहा, यह मेरे और मेरी टीम के लिए बहुत भावुक पल है। शानदार दर्शकों के सामने घरेलू खिलाड़ी के खिलाफ और इतनी बेहतरीन जगह पर ऐसा करना इसे और भी खास बनाता है। अगले दौर में फारिया का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन से होगा, जिन्होंने रविवार को अपने दूसरे दौर के मैच में इग्नासियो बुसे को 6–4, 6–3 से हराया था। इससे पहले, छठी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने अपने शुरुआती दौर के मैच में अपने ही देश के खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसेन को 6–3, 6–4 से हराया। तीसरे दौर में फ्रिट्ज का सामना डैनियल मेरिडा एगुइलर से होगा, जिन्होंने जिजू बर्ग्स को 6–3, 6–2 से हराया था। विश्व के नंबर 12वें खिलाड़ी लर्नर टियन ने भी सिनसिनाटी में जीत के साथ शुरुआत की। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, टियन ने सेबेस्टियन बाएज के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में 6–3, 7–6(4) से जीत हासिल की। अब तीसरे दौर में उनका मुकाबला फ्रांसिस टियाफो से होगा, जिन्होंने रविवार को दिन के आखिरी मैच में लोरेंजो सोनेगो को 6–3, 6–4 से हराया था।

अब फास्टैग के डेटा पर होगी ईडी की नजर, टोल के साथ सरकार का नया प्लान

नई दिल्ली। देश के राष्ट्रीय राजमार्गों पर अब टोल प्लाजा केवल शुल्क वसूली के केंद्र नहीं रहेंगे। फास्टैग और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरों से मिलने वाले डेटा का इस्तेमाल वाहन चोरी रोकने, संगठित अपराध पर शिकंजा कसने और आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले संदिग्ध वाहनों की निगरानी के लिए किया जाएगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस संबंध में नए दिशानिर्देश जारी किए हैं।इस व्यवस्था के तहत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), पुलिस और अन्य अधिकृत सुरक्षा एवं जांच एजेंसियों को जरूरत के अनुसार टोल प्लाजा से जुड़े वाहन संबंधी डेटा तक नियंत्रित पहुंच दी जाएगी। किसी ब्लैकलिस्टेड या संदिग्ध वाहन के टोल प्लाजा पर पहुंचते ही संबंधित एजेंसियों को रियल–टाइम अलर्ट मिल सकेगा।

आतंकी साजिशों पर भी नजर

सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह व्यवस्था इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि अतीत में आतंकी घटनाओं में कार, ट्रक, वैन और मोटरसाइकिल जैसे वाहनों का इस्तेमाल विस्फोटक पहुंचाने या वाहनजनित आईईडी के रूप में किया जाता रहा है। संदिग्ध वाहनों की आवाजाही का डिजिटल रिकॉर्ड मिलने से संवेदनशील इलाकों में निगरानी मजबूत होगी। किसी घटना के बाद संदिग्ध वाहन के संभावित रूट का पता लगाने में भी मदद मिलेगी।

हिट एंड रन के मामलों में खुलेगा सुराग

नई तकनीक का इस्तेमाल हिट एंड रन मामलों की जांच में भी कारगर साबित हो सकता है। दुर्घटना स्थल के आसपास मौजूद टोल प्लाजा के टाइम–स्टैम्प और वाहन ट्रैकिंग रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस संबंधित वाहन की आवाजाही का रूट तैयार कर सकेगी। इससे फरार वाहन की पहचान और उसे पकड़ने में तेजी आएगी। लूट, डकैती, अपहरण और हथियारों की तस्करी जैसे मामलों में भी यह डेटा जांच एजेंसियों के लिए महत्वपूर्ण सुराग बन सकता है।

फर्जी नंबर प्लेट और क्लोन फास्टैग पर शिकंजादेश में हर साल बड़ी संख्या में वाहन चोरी होते हैं और चोरी के वाहनों को दूसरे राज्यों या सीमावर्ती क्षेत्रों में भेज दिया जाता है। अपराधी कई बार फर्जी नंबर प्लेट या क्लोन फास्टैग का इस्तेमाल कर पहचान छिपाने की कोशिश करते हैं। अब एएनपीआर कैमरे वाहन की नंबर प्लेट पढ़ने के साथ उसके रंग, कंपनी और मॉडल जैसे विवरणों का भी मिलान करने में मदद करेंगे। यदि फास्टैग से जुड़े रिकॉर्ड और कैमरे से सामने आए वाहन के वास्तविक विवरण में अंतर पाया जाता है, तो संबंधित वाहन को संदिग्ध मानकर कार्रवाई की जा सकेगी।डेटा की पहुंच पर रहेगा नियंत्रणसरकार ने व्यवस्था में डेटा सुरक्षा और निजता का भी ध्यान रखा है। वाहन संबंधी जानकारी तक पहुंच केवल अधिकृत एजेंसियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत मिलेगी। एनआईए, पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय और परिवहन विभाग जैसी एजेंसियां जरूरत के अनुसार डेटा मांग सकेंगी। इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया तय की गई है और वरिष्ठ अधिकारियों के अनुरोध के आधार पर ही जानकारी साझा की जाएगी। आम लोगों के लिए यह डेटा सार्वजनिक नहीं किया जाएगा।

कल से इन ग्राहकों को नहीं मिलेगा एलपीजी सिलेंडर, पूरी तरह बंद हो जाएगी बुकिंग, आज ही कर लें यह काम

नई दिल्ली ,। अगर आप भी रसोई गैस का इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। पेट्रोलियम कंपनियों ने एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए ई–केवाईसी करवाने की आज यानी 16 अगस्त को आखिरी डेडलाइन तय कर दी है। अगर आपने आज रात तक यह जरूरी काम नहीं निपटाया, तो कल से आपके घर गैस सिलेंडर की डिलीवरी रोक दी जाएगी। इंडियन ऑयल ने अपने सभी ग्राहकों को अलर्ट करते हुए इस प्रक्रिया को आज ही पूरा करने की सख्त हिदायत दी है। अगर आप बिना किसी रुकावट के गैस सिलेंडर पाना चाहते हैं, तो तुरंत अपना वेरिफिकेशन पूरा कर लें।कल से नहीं कर पाएंगे सिलेंडर की बुकिंगबिजनेस टुडे की रिपोर्ट के हवाले से इंडियन ऑयल ने स्पष्ट कर दिया है कि 16 अगस्त की समयसीमा बीतने के बाद बिना केवाईसी वाले ग्राहक 17 अगस्त से अपना गैस सिलेंडर बुक नहीं कर पाएंगे। हालांकि, इससे ग्राहकों को पैनिक होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि गैस कंपनियों ने साफ किया है कि आपका कनेक्शन हमेशा के लिए रद्द नहीं किया जाएगा। यह केवल एक अस्थायी रोक होगी। जैसे ही आप अपना वेरिफिकेशन पूरा कर लेंगे, आपकी गैस बुकिंग और डिलीवरी सेवा तुरंत फिर से बहाल कर दी जाएगी। बता दें कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों पर तत्काल प्रभाव से यह नियम लागू नहीं होगा, लेकिन उनके लिए भी ई–केवाईसी की प्रक्रिया को पूरा करना अनिवार्य है।घर बैठे ऐप के जरिए आसानी से करें ई–केवाईसीगैस कंपनियों ने ग्राहकों की सुविधा और भीड़ से बचने के लिए ऑनलाइन केवाईसी का बेहद आसान विकल्प दिया है। आप घर बैठे अपने स्मार्टफोन से ही इस प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपनी गैस कंपनी (इंडेन, एचपी या भारत गैस) का आधिकारिक मोबाइल ऐप डाउनलोड करना होगा। ऐप में लॉग इन करने के बाद आपको फेस वेरिफिकेशन का विकल्प मिलेगा, जिसके जरिए आप आसानी से अपनी केवाईसी कर सकते हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद ऐप पर अपना फाइनल स्टेटस जरूर चेक कर लें।गैस एजेंसी जाकर ऑफलाइन वेरिफिकेशन का भी है विकल्प जो उपभोक्ता स्मार्टफोन का इस्तेमाल नहीं करते हैं या जिन्हें ऑनलाइन प्रक्रिया में परेशानी आ रही है, वे ऑफलाइन तरीके से भी अपना काम करवा सकते हैं। इसके लिए आपको अपनी संबंधित गैस एजेंसी के कार्यालय जाना होगा। वहां मौजूद कर्मचारी बायोमेट्रिक मशीन (फिंगरप्रिंट) के जरिए आपका वेरिफिकेशन पूरा कर देंगे। एजेंसी जाते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि अपना चालू मोबाइल नंबर जरूर साथ ले जाएं और उसे रजिस्टर्ड करवाएं, क्योंकि भविष्य में गैस बुकिंग की सारी प्रक्रिया उसी नंबर से होगी।

ओटीपी के बिना नहीं मिलेगा सिलेंडर, बुकिंग के दिनों में भी हुआ बदलावई–केवाईसी अनिवार्य करने के साथ–साथ सरकार ने गैस सिलेंडर की डिलीवरी और बुकिंग के नियमों में भी बड़ा संशोधन कर दिया है। अब ब्लैक मार्केटिंग रोकने के लिए बिना ओटीपी के गैस सिलेंडर की डिलीवरी नहीं की जाएगी। इसके साथ ही, उपभोक्ता केवल अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही गैस बुक कर सकेंगे। वहीं, सिलेंडर रिफिल करने के समय में भी बदलाव हुआ है।

42 टेस्ट पहले ही तोड़ा स्टीव स्मिथ का दबदबा, मगर जो रूट के खिलाफ आस्ट्रेलिया पर हार का साया

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्टीव स्मिथ ने जो रूट के 218 कैचों की बराबरी कर खुद को सबसे कुशल स्लिप फील्डर के रूप में स्थापित किया है, जबकि इसी मैच में जोश हेजलवुड ने 300 टेस्ट विकेट पूरे किए। इन व्यक्तिगत रिकॉर्ड्स के विपरीत बांग्लादेश ने खेल के हर विभाग में दबदबा बनाकर ऑस्ट्रेलिया को बैकफुट पर रखा है और मेहमान टीम अब भी मेजबान के स्कोर से काफी पीछे है। मौजूदा स्थिति का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि ऑस्ट्रेलिया को पारी की हार से बचने के लिए अपने निचले क्रम से असाधारण प्रदर्शन की आवश्यकता होगी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जिसने उन्हें सीधे जो रूट की बराबरी पर ला खड़ा किया है। मैच के दूसरे दिन स्मिथ ने गैर–विकेटकीपर फिल्डर के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।स्मिथ मुकाबले की शुरुआत 215 कैच के साथ कर रहे थे। बांग्लादेश की पहली पारी में उन्होंने दूसरी स्लिप में तीन शानदार कैच पकड़े। नजमुल हुसैन शांतो, मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के बल्ले से निकले किनारे को स्मिथ ने सुरक्षित हाथों में लेकर अपने कैचों की संख्या 218 तक पहुंचा दी। यह उपलब्धि उन्होंने केवल 124वें टेस्ट में हासिल की है।

गौरतलब है कि इंग्लैंड के जो रूट ने 218 कैच तक पहुंचने के लिए 166 टेस्ट खेले थे। यानी स्मिथ ने रूट के बराबर कैच 42 टेस्ट पहले ही पकड़ लिए हैं। पारी के हिसाब से भी वह रूट से 89 पारियां आगे हैं। इस तरह अब टेस्ट क्रिकेट में गैर–विकेटकीपर खिलाड़ियों के बीच सबसे ज्यादा कैच लेने के मामले में स्टीव स्मिथ और जो रूट संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं।इस सूची में भारत के पूर्व बल्लेबाज राहुल द्रविड़ 210 कैच के साथ तीसरे स्थान पर हैं। श्रीलंका के महेला जयवर्धने ने 205 और दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस ने 200 कैच पकड़े हैं। स्मिथ की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह मुख्य रूप से बल्लेबाज के तौर पर टीम में खेलते हैं, लेकिन स्लिप में उनकी पकड़ लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा हथियार रही है।हालांकि, स्मिथ का यह व्यक्तिगत रिकॉर्ड उस समय आया है जब ऑस्ट्रेलिया बांग्लादेश के

मैदान पर शुभमन गिल का जादू! हवा में लपका अविश्वसनीय फैक्ट श्रीलंका हुआ हैरान

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने तीसरे दिन कामिंदु मेंडिस का शानदार कैच लपककर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई, जिससे श्रीलंका पर दबाव बढ़ा। मानव सुतार और कुलदीप यादव सहित गेंदबाजों ने भी विकेट लेकर भारतीय टीम के दबदबे को कायम रखा, बावजूद इसके कि दूसरे सेशन में श्रीलंका ने अर्धशतकीय साझेदारियों से वापसी की। श्रीलंका के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने पहले दो दिनों जैसा ही शानदार खेल तीसरे दिन भी जारी रखा। लगातार दो दिन तक बल्लेबाजी करने के बाद, तीसरे दिन भारतीय टीम ने गेंदबाजी की और तुरंत श्रीलंका पर दबाव बना दिया। मानव सुतार, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज जैसे गेंदबाजों ने विकेट लिए और भारत ने दिन के पहले सेशन में अपना दबदबा बनाए रखाय लंच तक टीम ने पांच विकेट चटका लिए थे।हालांकि, पहले सेशन में भारतीय कप्तान शुभमन गिल के शानदार खेल ने सबका ध्यान खींचा। कामिंदु मेंडिस स्ट्राइक पर थे और इस स्टार बल्लेबाज ने ऑफ–साइड पर ड्राइव करने की कोशिश की। लेकिन, उसी इलाके में तैनात शुभमन गिल ने एक हाथ से शानदार कैच लपककर मेंडिस को पवेलियन वापस भेज दिया। इस पल का क्लिप सोशल मीडिया पर छा गया है, क्योंकि तीसरे दिन के पहले सेशन में गिल की शानदार फील्डिंग देखकर फैंस और एक्सपर्ट्स, दोनों ही हैरान रह गए।मैच की बात करें तो, तीसरे दिन का पहला सेशन श्रीलंका के लिए बहुत खराब रहा। पहली पारी में भारत को 462 रनों पर रोकने के बाद श्रीलंकाई टीम बल्लेबाजी करने उतरी। भारत की गेंदबाजी ने मेजबान टीम पर तुरंत दबाव बना दिया।

मलयालम फिल्म हाफ से जुड़े फरहान अख्तर, टोरंटो महोत्सव में धमाका करने की तैयारी

अभिनेता–निर्माता फरहान अख्तर ने अपने फैंस को नया तोहफा देने की तैयारी कर ली है। इस बार वो मलयालम वैम्पायर थ्रिलर फिल्म हाफ से जुड़े हैं, जिसका ऐलान उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर किया। उन्होंने बताया कि वह और रितेश सिधवानी, अपनी प्रोडक्शन कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट और एए फिल्म्स के सहयोग से फिल्म हाफ को पूरे उत्तर भारत में हिंदी भाषा में प्रस्तुत और रिलीज करेंगे। सितंबर, 2026 में इसका प्रीमियर टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के मिडनाइट मैडनेस में होगा।हाफ एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रिलीज होने वाली पहली मलयालम फिल्म होगी। इसका निर्देशन समजद ने किया है, जिन्हें मलायलम फिल्म गोलम (2024) के लिए जाना जाता है।कहानी वैम्पायर (पिशाच) लोककथाओं पर आधारित हिंसक शिकार, बदले और खून–खराबा के इर्द–गिर्द घूमती है।फिल्म में रंजीत सजीव, ऐश्वर्या राज, अब्बास और अमला पॉल को मुख्य किरदार निभाते देखा जाएगा। टोरंटो महोत्सव में प्रदर्शित होने के बाद ये फिल्म भारत में हिंदी, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी।

इरुमुडी के ट्रेलर ने उठाए रोमांचक रहस्य और ड्रामा से पर्दा, जानिए क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म इरुमुडी का ट्रेलर आ गया है, जिसमें रवि तेजा एक पारिवारिक इंसान की भूमिका में दिख रहे हैं। ट्रेलर दिखाता है कि उनके गांव में हो रही कुछ अजीब मौतों की वजह से उनकी पूरी दुनिया हिल जाती है।यह फिल्म 21 अगस्त को रिलीज होगी। इसमें निजी संघर्षों के साथ एक बड़े रहस्य का भी मेल है, जो भरपूर ड्रामा और सस्पेंस का वादा करता है।रवि का किरदार कई पर्तों वाला है। वह अपनी पत्नी और बेटी के प्रति समर्पित है, लेकिन शराब की लत से भी जूझ रहा है, जिसकी वजह से उसके रिश्तों में तनाव आ जाता है।ट्रेलर में उसे आध्यात्मिक विकास के लिए 41 दिन की अय्यप्पा दीक्षा लेते हुए भी दिखाया गया है। इस फिल्म के निर्देशक शिवा निर्वना हैं।फिल्म में प्रिया भवनी शंकर, साई कुमार और बेबी नक्षत्र जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत जी.वी. प्रकाश कुमार ने दिया है।ट्रेलर देखने के बाद दर्शकों में काफी उत्साह है और यह फिल्म पश्चाताप और सामुदायिक रहस्यों पर आधारित एक दमदार कहानी लेकर आने वाली है।

ईठा की नई रिलीज डेट लाक, अक्षय कुमार की फिल्म को देगी कड़ी टक्कर

लक्ष्मण उतेकर की पीरियड डांस ड्रामा फिल्म ईठा की रिलीज की नई तारीख तय हो गई है. मशहूर लावनी और तमाशा कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की जिंदगी पर आधारित यह फिल्म पहले इसी महीने 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी. लेकिन अब इस डेट को पोस्टपोन कर दिया गया है. अब यह फिल्म एक नई तारीख पर रिलीज होगी, जिसका एलान मेकर्स ने कर दिया है.

मेकर्स ने ईठा की नई रिलीज डेट का अनाउंसमेंट किया. जो फिल्म 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, वह अब इसी साल दिसंबर में रिलीज होगी. मेकर्स ने एक पोस्टर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा है, तूफान के लिए तैयार रहना, क्योंकि ईठा आ रही है, 4 दिसंबर को.ईठा को पहले 28 अगस्त को रिलीज करने का प्लान था, जिससे रक्षाबंधन वीकेंड पर यश की बहुप्रतीक्षित पैन–इंडिया फिल्म के साथ इसकी सीधी टक्कर होती. अब यह टकराव पूरी तरह टल गया है. टॉक्सिक की रिलीज 26 अगस्त को दुनिया भर में कन्फर्म हो गई है, जबकि ईठा को लगभग साढ़े तीन महीने आगे खिसका दिया गया है.मेकर्स ने जून में ईठा का टीजर जारी किया था, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट 28 अगस्त बताई गई थी. हालांकि, उसके ठीक बाद एक बड़ी घटना हुई जिसने फिल्म की दिशा ही बदल दी. 20 जून को, के. वेंकट नारायण के केवीएन प्रोडक्शंस और यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स ने गीतू मोहनदास की पैन–इंडिया एक्शन थ्रिलर टॉक्सिक ए फेयरीटेल फॉर ग्रोनअप्स की नई रिलीज डेट 26 अगस्त घोषित की.

नई तारीख के साथ, ईठा अब 4 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर उस कॉमेडी फिल्म के साथ क्लैश होगी, जिसे अनीस बज्मी डायरेक्ट कर रहे हैं और जिसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन मुख्य भूमिकाओं में हैं. वहीं, दिसंबर के आखिरी हफ्ते में शाहरुख खान की किंग भी रिलीज होने वाली है. यह फिल्म 24 दिसंबर को रिलीज होगी. ऐसे में ईठा के पास बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करने के लिए 3 हफ्ते होंगे.इस साल अगस्त स्लॉट में तारीख में बदलाव का यह पहला बड़ा मामला नहीं है. राजकुमार राव की फिल्म प्रहार पहले अपनी तय रिलीज तारीख 7 अगस्त से हट गई थी, और उस फिल्म की नई रिलीज तारीख का अभी भी इंतजार है.ईठा महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी पर आधारित है. अपने पिता के करियर के मुश्किल दौर में परिवार की मंडली की जिम्मेदारी संभालने के बाद उन्हें तमाशा सम्राज्ञी का खिताब मिला. कई दशकों के दौरान उन्हें कई बड़े सम्मान मिले, जिनमें 1957 और 1990 में मिला राष्ट्रपति पुरस्कार भी शामिल है. इतनी लोकप्रियता और तारीफ मिलने के बावजूद, विठाबाई को जिंदगी के बाद के दौर में काफी आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा. 4 दिसंबर की नई तारीख तय होने के साथ ही, ईठा को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता बढ़ गई है.

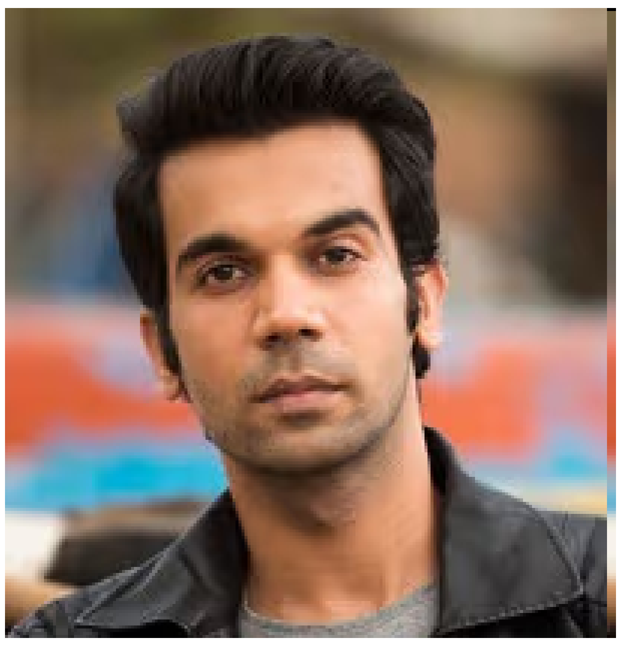

अल्लू अर्जुन की फिल्म राका में गर्भवती महिला के किरदार में होंगी दीपिका,जाह्नवी और रश्मिका के किरदारों का भी खुलासा

अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म राका का उनके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एटली के निर्देशन में बन रही ये एक एक्शन थ्रिलर है, जिससे अभिनेता का पहला लुक आने के बाद फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह का माहौल है। फिल्म में दीपिका पादुकोण भी शामिल हैं, जो पहली बार अल्लू के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। रश्मिका मंदाना और जाह्नवी कपूर भी इसका हिस्सा हैं। हालिया रिपोर्ट में इन सभी की भूमिकाओं को लेकर अपडेट आया है।रिपोर्ट के मुताबिक, राका में दीपिका को एक गर्भवती महिला के किरदार में देखा जाएगा, जिसका जीवन–मरण का संघर्ष फिल्म के भावनात्मक पहलुओं में से एक है।बताया जा रहा है कि उनका किरदार फिल्म के पौराणिक वैदिक युग में फिल्माए जा रहे विशाल संसार में शामिल होगा।दिलचस्प बात ये है कि दीपिका असल जिंदगी में भी गर्भवती हैं और गर्भावस्था के तीसरे चरण में अपने दृश्यों की शूटिंग को जारी रख रही हैं।रिपोर्ट के अनुसार, जाह्नवी इसमें एक आदिवासी रानी, एक निडर और शक्तिशाली नेता का किरदार निभाएंगी, जो फिल्म की कहानी में अहम भूमिका निभाएगी। रश्मिका को एक मार्गदर्शक और रक्षक की भूमिका में देखा जा सकता है। बताया जा रहा है कि उनका किरदार, दीपिका को राका की खतरनाक दुनिया में आगे बढ़ने में मदद करता है और उसके अस्तित्व की लड़ाई में अहम भूमिका निभाता है।

यश की टाक्सिक को बिना किसी कट के मिला ए सर्टिफिकेट, रन टाइम 194 मिनट और 12 सेकंड

साउथ सुपरस्टार यश की टॉक्सिकरू ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स रिलीज के लिए तैयार है. फिल्म 26 अगस्त को रिलीज होगी. यश जोरों–शोरों से फिल्म के प्रमोशन में लगे हैं. फिल्म में कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, नयनतारा जैसी एक्ट्रेसेस भी नजर आएंगी. फिल्म के कन्नड़ वर्जन का सेंसर प्रोसेस पूरा हो गया है.

ऑफिशियल सेंसर सर्टिफिकेट का हवाला देने वाली रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) से ए सर्टिफिकेट मिला है. रिपोर्ट के मुताबिक, सीबीएफसी के बेंगलुरु रीजनल ऑफिस ने फिल्म के कन्नड़ वर्जनको सर्टिफिकेट दे दिया. फिल्म का रन टाइम 194 मिनट और 12 सेकंड है. इसका मतलब फिल्म 3 घंटे 14 मिनट और 12 सेकंड लंबी है.

इस फिल्म को गीतू मोहनदास ने डायरेक्ट किया है. वहीं वेंकेट के नारायण ने केवीएन प्रोडक्शन के तहत फिल्म को प्रोड्यूस किया है. यश भी फिल्म को को–प्रोड्यूसर हैं. फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश में लिखा गया और शूट किया गया है. वहीं हिंदी, तेलुगू, तमिल और मलयालम में फिल्म को डब किया गया है.

फिल्म में यश लीड रोल में हैं. वहीं नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, रुक्मणि वसंत, अक्षय ओबेरॉय, बालाजी मनोहर और सुदेव नायर जैसे स्टार्स फिल्म में नजर आएंगे.

फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है. ट्रेलर को मिक्स रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म की कहानी एक गैंगस्टर के बारे में है. फिल्म के ट्रेलर में काफी खूब खराबा देखने को मिला. यश के फिल्म में डबल रोल में होने की भी खबरें हैं. फिल्म में कियारा को भी बोल्ड अवतार में देखा गया. कियारा और यश की केमिस्ट्री को पसंद किया गया. हालांकि, इंटिमेट सीन को लेकर कियारा ट्रोल भी हुई.

बता दें कि इस फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म पहले मार्च में रिलीज होने वाली थी. फिल्म का आदित्य धर की धुरंधर के साथ क्लैश था. हालांकि, फिर इस फिल्म को पोस्टपोन कर दिया गया. फिल्म की रिलीज पोस्टपोन को लेकर यश ने रिएक्ट किया था. उन्होंने बातचीत में कहा था, मैंने इस फिल्म को समय लेकर रिलीज करने का फैसला किया है. शायद ये मेरे फैंस को पसंद न आए. वो नाराज हों. क्योंकि फिल्म की शूटिंग खत्म होते ही लोग उसके बारे में लिखने लगते हैं. लोग फिल्म को देखना चाहते हैं. फिल्म में बहुत पैसा लगा है. लेकिन मुझे भरोसा है कि हम जो कर रहे हैं लोग उसे समझेंगे.

अब लंबे अरसे के बाद फिल्म थिएटर में रिलीज होगी और इस फिल्म से फैंस को काफी उम्मीदें हैं. इसके अलावा यश को नितेश तिवारी की रामायण में देखा जाएगा. यश फिल्म में रावण के रोल में नजर आएंगे. फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है.

अशोक सेल्वन और प्रीति मुकुंदन की जोड़ी लेकर आ रही है अनबिल अवन, सितबर में होगी रिलीज?

अशोक सेलवन की 23वीं फिल्म का ऑफिशियल नाम अंबिल अवान रखा गया है और मेकर्स ने इस आने वाले प्रोजेक्ट का पहला लुक भी जारी कर दिया है। पोर थोजिल और कारा फेम विग्नेश राजा द्वारा लिखी गई और आर. कार्तिकेयन द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक एक्शन–पैक्ड रोमांटिक एंटरटेनर बनने जा रही है।

फिल्म में प्रीति मुकुंदन फीमेल लीड रोल में हैं, जबकि सपोर्टिंग कास्ट के बारे में और जानकारी आने वाले दिनों में सामने आने की उम्मीद है। हालांकि मेकर्स ने अभी तक पूरी कहानी का खुलासा नहीं किया है, लेकिन कहा जा रहा है कि अंबिल अवान में एक्शन और रोमांस मुख्य तत्व होंगे।

दिलचस्प बात यह है कि अशोक सेलवन लेखन प्रक्रिया में भी शामिल हैं। उन्होंने विग्नेश राजा और डायरेक्टर आर. कार्तिकेयन के साथ मिलकर पटकथा (स्क्रीनप्ले) लिखी है, जो इस प्रोजेक्ट में एक्टर का एक अतिरिक्त क्रिएटिव योगदान है।गोविंद वसंत फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं, जिससे इसकी टेक्निकल टीम और भी दिलचस्प हो गई है। इस प्रोजेक्ट को के. करुणा मूर्ति, अशोक सेलवन और अभिनय सेल्वम का सहयोग प्राप्त है।

पहला लुक सामने आने के साथ ही, अंबिल अवान अब सिनेमाघरों में रिलीज होने की तैयारी के अंतिम चरण में पहुँच गई है। यह फिल्म सितंबर में रिलीज होने वाली है और उम्मीद है कि यह उस महीने की तमिल सिनेमा की दिलचस्प फिल्मों में से एक होगी।अशोक सेलवन के अभिनय और लेखन की जिम्मेदारियाँ संभालने, विग्नेश राजा के शामिल होने और कार्तिकेयन के निर्देशन के कारण, अंबिल अवान ने अपनी रिलीज से पहले ही लोगों में उत्सुकता पैदा कर दी है।

फिल्म सरदार 2 से आशिका रंगनाथ का फर्स्ट लुक जारी

टैलेंटेड और खूबसूरत एक्ट्रेस आशिका रंगनाथ आज अपना जन्मदिन मना रही हैं और उन्हें हर तरफ से बधाईयां मिल रही हैं। हाल ही में, उनकी आने वाली फिल्म सरदार 2 के मेकर्स ने फिल्म से आशिका का फर्स्ट लुक जारी किया है।वह बेहद खूबसूरत, आकर्षक और ग्लैमरस लग रही हैं और उनकी आँखों में एक खास चमक है। उन्हें किताबों से भरी अपनी डेस्क पर बैठे और गहरी नजर से देखते हुए दिखाया गया है। इस फिल्म में सूर्या मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन पी.एस. मित्रन कर रहे हैं और यह हिट फिल्म सरदार का सीक्वल है।

फिल्म के प्रमोशन और टीजर को हर तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म में मालविका मोहनन दूसरी मुख्य अभिनेत्री हैं और इसका संगीत सैम सी.एस. ने तैयार किया है। योगी बाबू भी फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

प्रिंस पिक्चर्स के बैनर तले एस. लक्ष्मण कुमार और ईशान सक्सेना इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म अन्नपूर्णा स्टूडियोज के बैनर तले तेलुगु में रिलीज की जा रही है।

सनी देओल का दर्शकों को दोहरा तोहफा, बंटवारा 1947 के साथ दिखाया गबरू का टीजर

सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म बंटवारा 1947 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जिन लोगों ने फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख किया, उन्हें अभिनेता की ओर से 2 तोहफे नसीब हुए हैं। दरअसल, बंटवारा 1947 की रिलीज से पहले, सनी की एक और बहुप्रतीक्षित फिल्म गबरू का टीजर दिखाया गया। टीजर देखने के बाद यह दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, और लोग फिल्म को लेकर उत्साहित हो गए हैं।दरअसल, सनी देओल श्गबरूय नाम की एक फिल्म पर भी काम कर रहे हैं. श्बंटवारा 1947च के साथ इसका टीजर अटैच किया गया. कई सिनेमाघरों में ऑडियंस को श्गबरूय की झलक देखने को मिली. जहां अपनी लेटेस्ट फिल्म में सनी पाजी एक्शन अवतार में नजर आए हैं, तो वहीं श्गबरूय का जो टीजर दिखाया गया है उसमें उनका थोड़ा लाइट वर्जन दिखाया गया है. टीजर में फैमिली फिल्म की वाइब आती है.सोशल मीडिया यूजरों ने गबरू का टीजर साझा किया, जो ऑनलाइन वायरल हो रहा है।जहां बंटवारा 1947 में अभिनेता विभाजन के उथल–पुथल दौर में दिखते हैं, तो वहीं गबरू में उन्हें एक हल्के–फुल्के, गर्मजोशी और ज्यादा आकर्षक अंदाज में दिखाया गया है।शांक उदपुरकर द्वारा निर्देशित और विशाल राणा द्वारा निर्मित यह एक एक भावनात्मक ड्रामा है,।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।